mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-141 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
23 मई 2026 शनिवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

कॉकरोच जनता पार्टी के इंस्टाग्राम पर 1.96 करोड़ फॉलोअर्स

भाजपा से दोगुने; पुराना एक्स अकाउंट ब्लॉक, नया- Cockroach Is Back, लिखा- कॉकरोच मरते नही

नई दिल्ली, एजेंसी। डिजिटल संगठन कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के इंस्टाग्राम पर 24 घंटे में फॉलोअर्स दोगुने हो गए हैं। शुक्रवार सुबह 11 बजे तक ये आंकड़ा 1.96 करोड़ पहुंच गया है। जो देश की किसी भी राजनीतिक पार्टी के फॉलोअर्स से ज्यादा हैं।

भारतीय जनता पार्टी (BJP) के 90 लाख और कांग्रेस के 134 करोड़ फॉलोअर्स हैं। CJP के फाउंडर अभिजीत दीपके ने पार्टी के इंस्टाग्राम अकाउंट हैक करने की कोशिश का आरोप भी लगाया है।

वहीं, कल यानी 21 मई को CJP का X अकाउंट ब्लॉक कर दिया गया था। जब पुराना अकाउंट बंद हुआ, तब 1.93 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स थे।

संगठन ने कुछ देर बाद नया अकाउंट बनाया। इसका नाम 'कॉकरोच इज बैक' रखा गया और बायो में लिखा- कॉकरोच डोंट डाय, यानी कॉकरोच मरते नहीं।

पीएम को झालमुड़ी खिलाने वाले दुकानदार को धमकियां मिल रहीं

पाकिस्तान-बांग्लादेश से आ रहे फोन, वीडियो कॉल में कहा- दुकान बम से उड़ा देंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम में झालमुड़ी बेचने वाले दीपक कुमार को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। बिक्रम की दुकान से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान झालमुड़ी खरीदकर खाई थी। इस घटना के बाद दीपक कुमार चर्चा में आ गए थे।

दीपक ने बताया कि उन्हें पाकिस्तान और बांग्लादेश से फोन कॉल आ रहे हैं। कॉल करने वाले लोग उनकी दुकान उड़ाने की धमकी दे रहे हैं। बिक्रम ने बताया कि एक वीडियो कॉल में कुछ लोग उन्हें हथियार भी दिखा रहे थे। इसके चलते वे और उनका परिवार काफी तनाव में है।पीएम मोदी ने 20 अप्रैल को चुनाव प्रचार के दौरान झाड़ग्राम में चुनावी रैली की थी। रोड शो के दौरान उन्होंने दीपक कुमार की दुकान से झालमुड़ी खरीदकर खाई थी। पीएम ने बिक्रम से हुई इस मुलाकात का करीब 40 सेकेंड का वीडियो और फोटोज अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की थीं।

मोदी की मंत्रिपरिषद के साथ बैठक साढ़े 4 घंटे चली

कहा: मंत्री तेजी से फैसले लें, विकसित भारत 2047 को नारा नहीं, लक्ष्य मानें

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार रात को दिल्ली के सेवा तीर्थ में केंद्रीय मंत्रियों की बैठक हुई। बैठक में सरकार के कामकाज, मंत्रालयों के प्रदर्शन और आगे की योजनाओं पर चर्चा की गई।

करीब साढ़े चार घंटे चली बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि 'विकसित भारत 2047' सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि सरकार का लक्ष्य और वादा है। उन्होंने मंत्रियों से तेजी से काम करने और फाइलों में देरी नहीं होने देने को कहा।

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार के कामकाज को और आसान बनाया जाए और सुधारों पर ज्यादा ध्यान दिया जाए। उन्होंने मंत्रियों से कहा कि वे लोगों के बीच जाकर सरकार के पिछले 12 साल के काम और उपलब्धियों की जानकारी दें।

शुक्रवार सुबह पीएम ने मीटिंग की एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा: कल मंत्रिपरिषद की एक सार्थक बैठक हुई। हमने 'जीवन की सुगमता' और 'व्यापार करने की सुगमता' को बढ़ावा देने से जुड़े विचारों और बेहतरीन तौर-तरीकों का आदान-प्रदान किया, और इस बात पर चर्चा की कि 'विकसित भारत' के हमारे साझा सपने को साकार करने के लिए सुधारों को और आगे कैसे बढ़ाया जाए।

नीट का पेपर 5 राज्यों में बिका: महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा, राजस्थान दूसरे नंबर पर

जयपुर/मुंबई/बेंगलुरु/पटना, एजेंसी। सीबीआई जांच में खुलासा हुआ है कि नीट का पेपर 5 राज्यों में बिका था। सबसे ज्यादा बिक्री महाराष्ट्र में हुई और दूसरा नंबर राजस्थान का है। एजेंसी के अधिकारी ने बताया कि अब तक गिरफ्तार हुए आरोपियों से पूछताछ और डिजिटल गैजेट्स खंगालने के बाद यह जानकारी सामने आई है।

सीबीआई का कहना है कि आगे और आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पेपर लीक का मामला और बड़ा निकल सकता है। इसी कारण एजेंसी अभी यह तय नहीं कर पा रही कि कितने छात्रों ने पेपर खरीदा था। जांच में सामने आया है कि कुछ परिजन ने पेपर को आगे दूसरे लोगों तक बेच दिया था।

सीबीआई को महाराष्ट्र और राजस्थान में पेपर के प्रिंट निकालकर बेचने के सबूत मिले हैं। इसी वजह से अभी यह पता लगाना मुश्किल है कि पेपर कितने लोगों तक पहुंचा। जांच में अब तक सामने आया है कि पेपर लीक का सबसे बड़ा केंद्र महाराष्ट्र था। यहीं से राजस्थान और दूसरे राज्यों के छात्रों तक 'क्वेश्चन बैंक' पहुंचा।

सीबीआई पेपर खरीदने वाले पेरेंट्स की लिस्ट बना रही

सीबीआई पैसे देने वालों की लिस्ट बना रही:
अब सिर्फ पेपर लीक करने वाले बिचौलिए और मास्टरमाइंड ही नहीं, बल्कि भारी रकम देकर पेपर खरीदने वाले रसूखदार माता-पिता भी केंद्रीय जांच एजेंसियों के सीधे निशाने पर हैं। जांच एजेंसी अब उन सभी पेरेंट्स की लिस्ट तैयार कर रही है, जिनके बैंक खातों से शिवराज मोटेगांवकर, पी.वी. कुलकर्णी या उनकी सहयोगी मनीषा वाघमारे (पुणे) के खातों में पैसे ट्रांसफर हुए थे। एजेंसी ने पेपर लीक करने और इसे बेचने वाले ज्यादातर बड़े चेहरों को बेनकाब कर दिया है, लेकिन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) के अलावा बाहर के कुछ किरदार अभी भी शक के दायरे में हैं।

राज्यसभा की 24 सीटों पर 18 जून को चुनाव

खड़गे-दिग्विजय समेत 24 सांसदों का 21 जून से 19 जुलाई के बीच रिटायरमेंट; म.प्र.-राजस्थान की 3-3 सीटें

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को ऐलान किया कि 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों के लिए 18 जून को चुनाव होगा। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 8 जून है। इन सीटों से मौजूदा सदस्य 21 जून से 19 जुलाई के बीच रिटायर हो रहे हैं।रिटायर हो रहे सदस्यों में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस के सीनियर लीडर दिग्विजय सिंह, पूर्व पीएम एच.डी. देवगौड़ा समेत 24 सांसद शामिल हैं।आयोग के मुताबिक आंध्र प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक की 4-4 सीटों पर चुनाव होंगे। मध्य प्रदेश और राजस्थान की 3-3 सीटों पर मतदान कराया जाएगा।झारखंड की 3 सीटों पर भी चुनाव होगा। वहीं, मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम की एक-एक राज्यसभा सीट के लिए भी मतदान कराया जाएगा।

100 किमी दूर दुश्मन को तबाह करने वाले 'वायु अस्त्र' का सफल परीक्षण, भारतीय सेना को मिलेगी नई ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूती देने की दिशा में पुणे की रक्षा कंपनी निबे लिमिटेड ने बड़ी सफलता हासिल करने का दावा किया है। कंपनी ने कहा कि उसने अपनी 100 किलोमीटर रेंज वाली 'वायु अस्त्र' लोइटरिंग म्यूनिशन प्रणाली का नो-कॉस्ट, नो-कमिटमेंट (NCNC) प्रदर्शन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह परीक्षण राजस्थान के पोखरण और उत्तराखंड के जोशीमठ (मलारी) में आयोजित किए गए।

कब हुआ परिक्षण?

कंपनी के बयान के अनुसार, पोखरण में 18 और 19 अप्रैल को जबकि जोशीमठ (मलारी) में 26 और 27 अप्रैल को परीक्षण किए गए। 'वायु अस्त्र-1' लोइटरिंग म्यूनिशन के एंटी-पर्सनल वैरिएंट ने राजस्थान के पोखरण रेंज में अपना पहला एनसीएनसी प्रदर्शन सफलतापूर्वक पूरा किया।

बीएसएफ की पहली महिला पर्वतारोही टीम ने माउंट एवरेस्ट फतह कर रचा इतिहास

गृह मंत्री ने दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सीमा सुरक्षा बल (BSF) की पहली महिला पर्वतारोही टीम ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराकर इतिहास रच दिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने इस बड़ी उपलब्धि पर टीम को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि इन महिलाओं की ऐतिहासिक सफलता साहस, देशभक्ति और अटूट समर्पण का एक अनूठा उदाहरण है।

क्या बोले गृह मंत्री? गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा, 'नारी शक्ति ने बीएसएफ की अदम्य शक्ति का प्रमाण दिया है। माउंट एवरेस्ट पर विजय प्राप्त करके स्वर्णिम इतिहास रचने वाली बीएसएफ की महिला पर्वतारोहण टीम को मेरी हार्दिक बधाई। बीएसएफ अपनी स्थापना का (डायमंड जुबली) 60वां वर्ष वर्ष मना रहा है। उन्होंने इस खास मौके विश्व की सर्वोच्च चोटी पर विजय प्राप्त की और आकाश में वंदे मातरम का गीत गाकर साहस, देशभक्ति और समर्पण का एक दुर्लभ उदाहरण प्रस्तुत किया। टीम के सभी सदस्यों को मेरा सलाम।

बीएसएफ की इस टीम ने गुरुवार सुबह 8:00 बजे एवरेस्ट की चोटी पर कदम रखा। इस साहसी दल में लद्दाख की कांस्टेबल कौसर फातिमा, पश्चिम बंगाल की मुनमुन घोष, उत्तराखंड की रबेका सिंह और कारगिल की कांस्टेबल त्सेरिंग चोरोल शामिल थीं। इन महिला प्रहरियों ने 'मिशन वंदे मातरम' के तहत यह कामयाबी हासिल की है। बीएसएफ ने बताया कि इतनी ऊंचाई पर जहां ऑक्सीजन की कमी होती है और सीधा खड़ा होना भी मुश्किल होता है, वहां इन महिलाओं ने एक सुर में 'वंदे मातरम' गाया। यह पल महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बन गया है।

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की पहली महिला अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोहण टीम ने फतह किया एवरेस्ट :

इसी कड़ी में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) ने भी एक बड़ी सफलता हासिल की है। आईटीबीपी की पहली महिला अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोहण टीम ने माउंट एवरेस्ट फतह करने का अभियान पूरा किया। इस 14 सदस्यीय दल में 11 महिला पर्वतारोही और 3 तकनीकी सहायक सदस्य शामिल थे। टीम ने 21 मई को रात 12:52 बजे नेपाल के रास्ते साउथ कोल रूट से एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचकर अपनी जीत दर्ज की। आईटीबीपी के इतिहास में यह एक मील का पत्थर है।

गुजरात पुलिस का मेगा एक्शन, 'ऑपरेशन मिलाप' के तहत मात्र 14 दिन में खोजे गए 701 लापता लोग, देशभर में चर्चा

गांधीनगर, एजेंसी। गुजरात पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप नामक एक राज्यव्यापी खोज अभियान में महिलाओं और बच्चों सहित 701 लापता लोगों का पता महज 14 दिनों के भीतर लगा लिया। यह अभियान गुजरात के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) केएलएन राव के नेतृत्व में शुरुआत किया गया था।एक विज्ञप्ति के अनुसार, मई के पहले सप्ताह में शुरू किए गए इस विशेष अभियान में गुजरात के सभी पुलिस आयुक्तों और जिला पुलिस अधीक्षकों को लंबे समय से लंबित लापता व्यक्तियों के मामलों को फिर से खोलने, उनकी समीक्षा करने और उन पर तेजी से कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।गुजरात पुलिस के अनुसार, 2007 से अब तक राज्यभर में 24,767 से अधिक लोग लापता हो चुके हैं।

उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने आपरेशन मिलाप के बारे में कहा है कि गुजरात पुलिस ने लापता व्यक्तियों का पता लगाने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया है। इस उद्देश्य के लिए पुलिस को सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा-बकरीद पर गाय की कुर्बानी जरूरी नहीं

बंगाल में पशु वध नोटिस पर रोक से इनकार; हुमायूं कबीर बोले- कुर्बानी देंगे

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बकरीद से पहले पश्चिम बंगाल सरकार की पशु वध संबंधी गाइडलाइन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि बिना जरूरी फिटनेस सर्टिफिकेट के गाय, भैंस, बैल या बछड़े का वध नहीं किया जा सकता।चीफ जस्टिस सुजय पॉल और जस्टिस पार्थ सारथी की बेंच ने कहा कि खुले सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी पशु का वध पूरी तरह बैन है।

कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले का हवाला देते हुए कहा कि ईद-उल-जुहा में गाय की कुर्बानी इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है।पूर्व तृणमूल नेता व विधायक हुमायूं कबीर ने गाइडलाइन का विरोध करते हुए ईद पर हर हाल में कुर्बानी की धमकी दी है। इस पर भाजपा ने कहा कि किसी भी हाल में अवैध स्लॉटरहाउस नहीं चलने दिए जाएंगे।

● बंगाल सरकार ने 13 मई को गोहत्या बैन की: दरअसल 13 मई को बंगाल सरकार ने गोहत्या से जुड़े 1950 के कानून और 2018 के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए एक नोटिस जारी किया था। इसमें कहा गया था कि बिना 'फिटनेस सर्टिफिकेट' के किसी भी मवेशी-भैंस की हत्या पूरी तरह से बैन है।बंगाल सरकार ने कहा कि फिटनेस सर्टिफिकेट केवल किसी नगरपालिका के अध्यक्ष, किसी पंचायत समिति के प्रमुख और एक सरकारी पशु चिकित्सक के साथ मिलकर जारी किया जाएगा।यह सर्टिफिकेट तभी जारी होगा जब अथॉरिटी सहमत हो कि जानवर 14 साल से ज्यादा उम्र का है, वह प्रजनन के लायक नहीं और बूढ़ा है।

हीटवेव का असर- 35 शहरों में रात का पारा 30डिग्री

राजस्थान के हनुमानगढ़ में सबसे ज्यादा 33.7 डिग्री; यूपी का बांदा लगातार 5वें दिन सबसे गर्म

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ, एजेंसी। देश में जारी गर्मी से फिलहाल राहत के आसार नहीं हैं, इस बार सबसे बड़ा खतरा ये है कि दिन की हीटवेव के बाद रातें भी गर्म बनी हुई हैं। देश के 35 शहरों में गुरुवार को रात का पारा 30डिग्री से ऊपर रहा। सबसे ज्यादा 33.7 डिग्री तापमान राजस्थान के हनुमानगढ़ में रहा।देश का आधा से ज्यादा हिस्सा गर्मी से तप रहा है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान सहित 10 राज्यों के 24 शहरों में गुरुवार को पारा 45डिग्री के ज्यादा रहा। यूपी का बांदा 47.6डिग्री के साथ लगातार 5वें दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में 47डिग्री तापमान रहा।यूपी में अगले 3 दिन हीटवेव का रेड अलर्ट है। बिहार के पटना और गयाजी में गर्मी के कारण 22 से 26 मई तक 5वीं तक के स्कूल बंद किए गए हैं। वहीं, राज्य के मधेपुरा और सहरसा में गुरुवार को बारिश हुई, इस दौरान बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई।2

नीट पेपर लीक पुणे से लेकर लातूर तक सीबीआई की ताबड़तोड़ पूछताछ

पुणे, एजेंसी। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने अपनी जांच का दायरा बढ़ा दिया है। गुरुवार को एजुकेशनल कंसल्टेंसी संचालक शुभम खैरनार, निलंबित जूनियर कॉलेज शिक्षिका मनीषा मंधारे, ब्यूटी पार्लर मालकिन मनीषा वाघमारे और लातूर के एक बाल रोग विशेषज्ञ इस मामले के केंद्र में आ गए। सीबीआई अब मामले से जुड़े पैसों के मनी ट्रेल, डिजिटल फुटप्रिंट्स और संदिग्ध लाभार्थियों की बढ़ती सूची की पड़ताल कर रही है।सीबीआई पूछताछ के लिए खैरनार को पुणे लेकर आई है। वहीं, 3 मई को हुई मेडिकल प्रवेश परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र लीक करने और उसे आगे फैलाने में कथित भूमिका को लेकर मंधारे और वाघमारे से भी फिर से पूछताछ की गई।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने संसदीय समिति को बताया कि उसका मानना है कि उनके सिस्टम के जरिए पेपर के साथ कोई समझौता नहीं हुआ है, लेकिन उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस मामले में सीबीआई अंतिम निष्कर्ष देगी। गौरतलब है कि 22 लाख से अधिक छात्रों ने नीट-यूजी परीक्षा दी थी, जिसे बड़े पैमाने पर गड़बड़ी और पेपर लीक के आरोपों के बाद 12 मई को एनटीए ने रद कर दिया था।

पेपर खरीदने वाले डॉक्टर की जांच: सीबीआई लातूर के एक बाल रोग विशेषज्ञ की भूमिका की भी जांच कर रही है। इस डॉक्टर पर लातूर के सेवानिवृत्त केमिस्ट्री लेक्चरर, प्रह्लाद विट्ठलराव कुलकर्णी के माध्यम से अपने बच्चे के लिए लीक पेपर हासिल करने का संदेह है। जांचकर्ताओं ने कुलकर्णी को ही इस लीक का मुख्य स्रोत बताया है। सीबीआई के अधिकारी ने कहा कि हम मामले में उसकी संलिप्तता स्थापित करने के लिए उससे पूछताछ कर रहे हैं। जांचकर्ताओं को संदेह है कि डॉक्टरों सहित कई माता-पिता ने प्रश्न पत्र पहले से प्राप्त करने के लिए भारी रकम चुकाई थी। कई जिलों में कई परिवारों से पूछताछ की गई है, जबकि कुछ संदिग्ध अभी भी एजेंसी की निगरानी में हैं।

बिचौलियों का नेटवर्क और मनी ट्रेल: आरोपी खैरनार एक एजुकेशनल कंसल्टेंसी चलाता था जो एमबीबीएस, बीडीएस, बीएचएमएस और अन्य मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करने वाले उम्मीदवारों का मार्गदर्शन करती थी। सीबीआई पहले गिरफ्तार किए गए पुणे स्थित एक आरोपी के साथ उसके संबंधों की जांच कर रही है और यह पता लगा रही है कि क्या उसने उम्मीदवारों और पेपर लीक करने वाले नेटवर्क के बीच एक माध्यम के रूप में काम किया था।

पुणे के मॉडर्न कॉलेज से जुड़ी और एनटीए से संबद्ध मंधारे से उसकी पड़ोसी वाघमारे के साथ इस बात पर पूछताछ की जा रही है कि लीक हुए पेपर कैसे प्राप्त किए गए और उन्हें उम्मीदवारों तक कैसे पहुंचाया गया। सूत्रों ने बताया कि सीबीआई का पूरा ध्यान अब वित्तीय लेनदेन, डिजिटल संचार रिकॉर्ड और बिचौलियों की पूरी चेन को खंगालने पर है।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा में बड़ी चूक, पासपोर्ट जब्त होने के बाद भी LOC आरोपी मुंबई भागा

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षा और सतर्कता में बड़ी चूक का मामला सामने आया है। जहां गुजरात पुलिस के 'लुक आउट सर्कुलर' का सामना कर रहा धोखाधड़ी का एक आरोपी धवल दोषी, इमिग्रेशन अधिकारियों की हिरासत से चकमा देकर भागने में सफल रहा। दरअसल, आरोपी अपनी पत्नी प्रियंका दोषी और बेटी के साथ बैंकॉक जाने की फिराक में था, तभी डिपार्चर काउंटर पर रात करीब 2 बजे डिपार्चर काउंटर पर LOC अलर्ट मिलने के बाद रोक लिया गया। इमिग्रेशन अधिकारियों ने उसका पासपोर्ट और बोर्डिंग पास जब्त कर लिया और परिवार से इमिग्रेशन एरिया के पास ही बैठे रहने को कहा।

मेडिकल का बहाना बनाकर भागे आरोपी: इसके बाद, आरोपी की पत्नी ने बेटी की 'मेडिकल इमरजेंसी' का बहाना बनाया। पुलिस के अनुसार, प्रियंका बाद में एयरलाइन स्टाफ के पास गई और दावा किया कि उनकी बेटी को कोई मेडिकल इमरजेंसी हो गई है। उसने अपना चेक-इन किया हुआ सामान वापस मांगा, लेकिन यह नहीं बताया कि इमिग्रेशन अधिकारियों ने उनके परिवार को रोक रखा है। इस दौरान एयरलाइन स्टाफ ने परिवार और उनके सामान को डोमेस्टिक डिपार्चर की ओर पहुंचाया, जिसके बाद दोषी सुबह करीब 5.50 बजे मुंबई जाने वाली फ्लाइट में सवार होकर रफूचक्कर हो गए।

गुजरात पुलिस के सामने कर सकती है सरेंडर: इमिग्रेशन विभाग की शिकायत पर एयरपोर्ट पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि दोषी और प्रियंका के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। शमशाबाद पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोषी के वकील ने पुलिस को सूचित किया है कि उनका मुवक्किल जल्द ही गुजरात पुलिस के सामने सरेंडर कर सकता है।

किराये के मकान में चल रहा था देह व्यापार, पुलिस की छापेमारी में संचालिका समेत 5 लोग अरेस्ट

गाजियाबाद, एजेंसी। कविनगर थाना क्षेत्र के शास्त्रीनगर में बृहस्पतिवार रात 10 बजे को पुलिस ने किराये के मकान में चल रहे देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से तीन महिला और दो पुरुष को गिरफ्तार कर लिया। एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य ने बताया कि राजनगर एक्सटेंशन की महिला ने शास्त्रीनगर के सी ब्लाक में किराये पर मकान लिया था। पुलिस को सूचना मिली थी कि मकान में देह व्यापार संचालित किया जा रहा है। पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारा। मौके से आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि काफी समय से मकान में संदिग्ध गतिविधियां देखी जा रही थीं। गिरफ्तार संचालिका पहले भी देह व्यापार के मामले में जेल जा चुकी है। चौकी इंचार्ज की शिकायत पर आरोपितों के खिलाफ कविनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

दिल्ली में नए राशन कार्ड बनाने के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू, अब इन परिवारों को मिलेगा लाभ

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने राशन कार्ड के लिए आय की सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया है। पहले राशन कार्ड के लिए वार्षिक पारिवारिक आय सीमा एक लाख रुपये थी। इस वर्ष जनवरी में इसे बढ़ाकर 1.20 लाख रुपये किया गया था। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अब इसे बढ़ाकर ढाई लाख रुपये वार्षिक किया जाएगा। इस संबंध में मंत्रिमंडल में चर्चा हुई। मंत्रिमंडल की अगली बैठक में इसे स्वीकृति मिल सकती है। इससे अधिक परिवारों को लाभ मिलेगा। उन्होंने दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि 13 वर्षों तक दिल्ली में नया राशन कार्ड नहीं बनाया गया। अब नए राशन कार्ड और परिवार के सदस्यों के नाम जोड़ने के लिए 15 मई से ई डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। सरकार ने राशन वितरण व्यवस्था का व्यापक ऑडिट कराया गया है जिसमें 7,71,384 अपात्र और फर्जी लाभार्थी पाए गए। इनमें 6,46,123 कार्ड धारक निर्धारित आय सीमा से अधिक आय वाले, 95,682 लोग पिछले एक वर्ष से राशन नहीं लेने वाले मिले। 6185 मृत व्यक्तियों के नाम राशन रिकॉर्ड में दर्ज थे और 23,394 लोग एक से अधिक स्थानों से राशन ले रहे थे। सभी अपात्र लाभार्थियों के नाम सूची से हटाने के बाद लगभग 7.72 लाख नए पात्र लोगों के राशन कार्ड बनेंगे। पिछले 13 वर्षों में राशन कार्ड के लिए 3,72,367 आवेदन और राशन कार्ड में नाम जोड़ने के लिए 99,501 आवेदन लंबित हैं। इन सभी आवेदकों को वर्तमान नियमों और नई पात्रता शर्तों के अनुसार फिर से आवेदन करने का अवसर दिया जा रहा है। राशन वितरण व्यवस्था में बड़े स्तर पर डिजिटल सुधार किए गए हैं। राशन दुकानों पर पारंपरिक वजन मशीनों की जगह ई-वेइंग मशीनें लगाई जा रही है और बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण अनिवार्य किया गया है। नए राशन कार्ड के लिए आवेदन से लेकर इससे जुड़ी सभी सेवाएं अब पूरी तरह ऑनलाइन कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले परिवार की आय संबंधी जानकारी केवल स्व-घोषणा के आधार पर स्वीकार की जाती थी। इसमें गड़बड़ी की संभावना रहती थी। अब आवेदन करते समय निवास प्रमाण पत्र, नवीनतम आय प्रमाण पत्र और परिवार के सभी सदस्यों का आधार विवरण जमा करना होगा। भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों को रोकने के लिए सरकार ने तीन स्तरों पर जांच होगी। पहले चरण में आवेदन और दस्तावेजों की डिजिटल जांच और जरूरत पड़ने पर मौके पर सत्यापन भी होगा। दूसरे चरण में सहायक आयुक्त के पास आवेदन जाएगा। तीसरे चरण में जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता वाली जिला समिति निर्णय लेगी, जिसमें क्षेत्र के दो विधायक भी शामिल होंगे। समिति की स्वीकृति मिलते ही राशन कार्ड डिजिटल रूप से जारी हो जाएगा।

मुंबई : बांद्रा में रेलवे ने 85 फीसदी झुग्गी-झोंपड़ियों को हटाया

मुंबई, एजेंसी। बांद्रा ईस्ट के गरीब नगर इलाके में पश्चिम रेलवे की अवैध अतिक्रमण हटाने की बड़ी मुहिम में 85 फीसदी काम पूरा हो चुका है। इस दौरान स्थानीय लोगों द्वारा हिंसक विरोध किया गया, जिसमें पुलिस पर पथराव हुआ और तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। मंगलवार को करीब 150 लोगों की भीड़ ने पुलिस और डिमोलिशन टीम पर पत्थर फेंके तथा सीमेंट के ब्लॉक फेंककर बुलडोजर रोकने की कोशिश की। पुलिस को स्थिति काबू में लाने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। अब तक 18 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पब्लिक प्रॉसीक्यूटर ने बांद्रा कोर्ट में कहा कि यह हिंसा कोई सहज विरोध नहीं, बल्कि पूर्व-नियोजित साजिश थी। उन्होंने आरोपियों पर गंभीर धाराएं (जिसमें सेक्शन 109 - हत्या का प्रयास भी शामिल) लगाई हैं और कस्टोडियल पूछताछ की मांग की है।

रेलवे का लक्ष्य: इस ड्राइव में बांद्रा स्टेशन के पूर्वी तरफ स्थित करीब 500 अवैध संरचनाएं हटाई जा रही हैं। अब तक लगभग 5,000 वर्ग मीटर जमीन रेलवे ने कब्जे में ले ली है। यह जमीन 5वीं और 6वीं रेल लाइन के विस्तार तथा बांद्रा टर्मिनस के विकास के लिए जरूरी है।

कोर्ट में विवाद: प्रतिवादियों के वकील ने दावा किया कि एक स्थानीय मस्जिद को बिना उचित दस्तावेज के गिराया गया। उन्होंने कहा कि बॉम्बे हाईकोर्ट के मूल आदेश में धार्मिक स्थलों का जिक्र नहीं था। वहीं, प्रभावित परिवारों ने ईद (27 मई) से ठीक पहले डिमोलिशन किए जाने पर नाराजगी जताई है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर पश्चिम रेलवे इस अभियान को चला रहा है। रेलवे का कहना है कि पात्र परिवारों को पहले ही पुनर्वास की सुविधा दी जा चुकी है। कार्रवाई 23 मई तक जारी रहने की संभावना है।

चीन पर शिकंजा कसने की तैयारी: अमेरिका में नया बिल पेश, ड्रैगन के सैन्य नेटवर्क पर लगाना चाहता है प्रतिबंध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में चीन के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। दो वरिष्ठ रिपब्लिकन सांसदों ने चीन के सैन्य-औद्योगिक नेटवर्क से जुड़े व्यक्तियों और संस्थाओं पर तेजी से प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से नया विधेयक पेश किया है। सांसदों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानी जाने वाली चीनी संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई में अब और देरी नहीं की जा सकती। रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट और प्रतिनिधि एलिस स्टेफानिक ने 'सीसीपी सैंक्शंस शॉट क्लॉक एक्ट' नाम का विधेयक पेश किया है। इस प्रस्तावित कानून के तहत अमेरिकी ट्रेजरी विभाग को उन चीनी व्यक्तियों और कंपनियों के खिलाफ एक साल के भीतर कार्रवाई करनी होगी, जिन्हें अमेरिकी सरकार सुरक्षा के लिए खतरा मानती है। विधेयक का उद्देश्य वित्त वर्ष 2026 के राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम में संशोधन करना है। इसके तहत एक निश्चित समय सीमा तय की जाएगी, जिसके भीतर संदिग्ध चीनी संस्थाओं को ट्रेजरी विभाग की 'नॉन-एसडीएन चीनी सैन्य-औद्योगिक कॉम्प्लेक्स कंपनियों की सूची' में शामिल करना अनिवार्य होगा।

क्या है अमेरिका का मौजूदा कानून: मौजूदा कानून के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति हर दो साल में ऐसी रिपोर्ट पेश करते हैं, जिसमें उन चीनी व्यक्तियों और संस्थाओं की पहचान की जाती है, जिन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जोखिम माना जाता है। हालांकि, अभी ट्रेजरी विभाग के लिए इन संस्थाओं पर कार्रवाई या सूची अपडेट करने की कोई तय समय सीमा नहीं है। नया विधेयक इसी व्यवस्था को बदलने का प्रयास करता है। प्रस्तावित कानून के मुताबिक, राष्ट्रपति की रिपोर्ट पेश होने के एक साल के भीतर ट्रेजरी सचिव को संबंधित विदेशी नागरिकों और संस्थाओं को प्रतिबंध सूची में शामिल करना होगा और संशोधित सूची को फेडरल रजिस्टर में प्रकाशित करना होगा।

रिक स्कॉट ने क्या बताया: सीनेटर रिक स्कॉट ने कहा कि जैसे ही किसी संस्था की पहचान अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरे के रूप में होती है, उसके खिलाफ तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के सैन्य हितों के लिए काम करने वाले किसी भी व्यक्ति या संस्था को अमेरिका में कारोबार करने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। कम्युनिस्ट चीन हमारा दुश्मन है और अब उसी के अनुरूप सख्त कदम उठाने का समय आ गया है।

चीनी कंपनियों पर आर्थिक निर्भरता कम करना जरूरी: वहीं, एलिस स्टेफानिक ने कहा कि यह विधेयक चीन के सैन्य विस्तार से जुड़ी कंपनियों पर अमेरिका की आर्थिक निर्भरता कम करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाना ठीक नहीं, ईरान को यूरेनियम रखने नहीं देंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर किसी भी तरह के शुल्क (टोल) का विरोध करता है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को किसी भी हालत में अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम अपने पास रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, यह एक अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है और इस पर शुल्का लगाना ठीक नहीं है। उन्होंने दावा किया कि फिलहाल इस मार्ग से कोई शुल्क नहीं लिया जा रहा है।

ईरान को हो रहा भारी आर्थिक नुकसान: ट्रंप: ट्रंप ने यह भी कहा कि नौवहन गतिविधियों पर लगी पाबंदियों की वजह से ईरान को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। जब उनसे पूछा गया कि क्या किसी समझौते के तहत ईरान अपने उच्च संवर्धित यूरेनियम को रख सकता है, तो उन्होंने साफ कहा कि ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका वह यूरेनियम ले लेगा और जरूरत भी नहीं है, इसलिए इसे नष्ट कर दिया जाएगा। लेकिन ईरान को इसे रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अमेरिका-ईरान के हमलों से शुरू हुई थी जंग: अमेरिका और इस्राइल ने मिलकर 28 फरवरी को ईरान पर हमले किए थे। जिसके बाद तनाव बढ़ा। इसके जवाब में ईरान ने इस्राइल व खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया। आठ अप्रैल को पाकिस्तान की मध्यस्थता से संघर्ष विराम लागू हुआ। लेकिन इस्लामाबाद में हुई बातचीत से कोई स्थायी समझौता नहीं हो पाया।

'परमाणु हथियार से पश्चिम एशिया में हो सकता है बड़ा युद्ध, नहीं दे सकते इजाजत' ट्रंप की ईरान को चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान को लेकर एक बड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने ईरान को कड़ी चेतावनी देने के साथ-साथ बातचीत से मसले सुलझाने की बात भी कही है। ट्रंप प्रशासन ने साफ कर दिया है कि वे तेहरान को किसी भी हाल में परमाणु हथियार बनाने या रखने की इजाजत नहीं दे सकते। यह बयान ऐसे समय में आया है जब खाड़ी क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होने वाली तेल की सप्लाई को लेकर पूरी दुनिया में चिंता बनी हुई है और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा जारी है। इस बीच, विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत के दौरे पर निकलने से पहले मियामी एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात की। उन्होंने ईरान को सख्त लहजे में चेतावनी दी। रुबियो ने कहा कि अगर ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर किसी भी तरह का टोल या शुल्क लगाने की कोशिश की, तो अमेरिका इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि समुद्र के इस रास्ते पर टोल सिस्टम बिल्कुल मंजूर नहीं है। अमेरिका इस मामले में बहरीन की ओर से लाए गए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का पूरा समर्थन कर रहा है। इस प्रस्ताव को दुनिया के 100 से ज्यादा देशों का साथ मिला है, जो सुरक्षा परिषद के इतिहास में एक बड़ी बात है। रुबियो ने कहा कि दुनिया में कोई भी टोल सिस्टम के पक्ष में नहीं है। अगर ईरान इस दिशा में आगे बढ़ता है, तो किसी भी कूटनीतिक समझौते तक पहुंचना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

क्या बोले ट्रंप: इसके बाद व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप ने भी अपनी बात रखी। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी नौसेना की मौजूदगी की वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिका का पूरा नियंत्रण है। उन्होंने इसे 'स्टील की दीवार' जैसा मजबूत बताया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की मर्जी के बिना वहां से कोई भी जहाज नहीं गुजर सकता। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान की सैन्य ताकत को भारी नुकसान पहुंचा है। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका ने ईरान की नौसेना और वायुसेना को पूरी तरह खत्म कर दिया है। साथ ही ईरान की ज्यादातर मिसाइल क्षमता भी अब खत्म हो चुकी है। ट्रंप ने परमाणु हथियारों के मुद्दे को अपनी सरकार की सबसे बड़ी विदेश नीति प्राथमिकता बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान परमाणु हथियार हासिल कर लेता है, तो मध्य पूर्व में परमाणु युद्ध छिड़ सकता है। इस युद्ध की आग अमेरिका और यूरोप तक भी पहुंच सकती है। ट्रंप ने कहा कि वे बातचीत का रास्ता खुला रखे हुए हैं, लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी मौजूद है।

मार्को रुबियो बोले- भारत को उसकी जरूरत के हिसाब से तेल देने को तैयार, बेहतरीन साझेदार भी बताया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता में कुछ अच्छे संकेत जरूर दिख रहे हैं, लेकिन अगर बात नहीं बनी तो अमेरिका के पास 'दूसरे विकल्प' (सैन्य कार्रवाई) भी पूरी तरह से खुले हैं। इसके साथ ही, भारत के अपने पहले आधिकारिक दौरे पर निकलने से ठीक पहले रुबियो ने भारत को एक 'महान साझेदार' बताया और ऊर्जा क्षेत्र में बड़े सहयोग की बात कही।

ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में टोल लगाने की योजना पर अमेरिका ने क्या चेतावनी दी है: ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल (टैक्स) लगाने की योजना बनाई है, जिस पर अमेरिका ने कड़ी आपत्ति जताई है। रुबियो ने साफ शब्दों में कहा कि ईरान की यह टोल योजना किसी भी शांति समझौते को 'असंभव' बना देगी। उन्होंने कहा कि दुनिया में कोई भी देश इस तरह के टोल सिस्टम के पक्ष में नहीं है और यह बिल्कुल स्वीकार नहीं किया जा सकता है। अगर ईरान इस अहम जलमार्ग पर अपनी पकड़ का फायदा उठाकर पैसा कमाने की कोशिश करता है, तो कूटनीतिक समझौते की उम्मीदें टूट जाएंगी। ईरान के अलावा, क्यूबा के मुद्दे पर भी अमेरिका ने सख्त रुख अपनाया है। रुबियो ने कहा कि ट्रंप प्रशासन क्यूबा सरकार के साथ अपने मतभेदों को कूटनीतिक तरीके से सुलझाना चाहता है, लेकिन वे इसे लेकर ज्यादा आशान्वित नहीं हैं। उन्होंने क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर आतंकवाद के आरोपों के बाद सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी खुला रखा है। रुबियो ने स्पष्ट किया कि यद्यपि अमेरिका की प्राथमिकता हमेशा एक शांतिपूर्ण समझौता होती है, लेकिन क्यूबा के मौजूदा नेतृत्व को देखते हुए इसकी संभावना बहुत कम नजर आती है।

भारत दौरे को लेकर अमेरिकी विदेश मंत्री ने क्या बड़ी घोषणा की है: अपने भारत दौरे (23-26 मई) के बारे में बात करते हुए रुबियो ने भारत की जमकर तारीफ की। उन्होंने भारत को एक 'महान सहयोगी और बेहतरीन साझेदार' बताया। ऊर्जा के मुद्दे पर उन्होंने एक बड़ी बात कही कि भारत जितना भी तेल और ऊर्जा खरीदना चाहेगा, अमेरिका उसे उतनी मात्रा में बेचने के लिए तैयार है। अमेरिका इस समय ऐतिहासिक स्तर पर ऊर्जा का उत्पादन और निर्यात कर रहा है। रुबियो ने यह भी बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से भारत में तेल की कीमतें बढ़ी हैं, ऐसे में अमेरिका भारत के ऊर्जा पोर्टफोलियो का एक बड़ा हिस्सा बनना चाहता है। वेनेजुएला के तेल के जरिए भी दोनों देशों के बीच व्यापार के बड़े मौके हैं।

भारत दौरे पर 'क्वाड' बैठक का क्या महत्व है और किन शहरों का दौरा करेंगे रुबियो: मार्को रुबियो की यह यात्रा इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि वे नई दिल्ली में 26 मई को 'क्वाड' देशों के विदेश मंत्रियों की अहम बैठक में हिस्सा लेंगे। इस बैठक की अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर करेंगे, जिसमें ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री मोतेगी तोशिमित्सु भी शामिल होंगे। अपनी इस यात्रा के दौरान रुबियो कोलकाता, आगरा, जयपुर और नई दिल्ली जाएंगे।

कलेक्टर ने जनगणना कार्य का किया औचक मैदानी निरीक्षण, आंकड़ों की गुणवत्ता और शुद्धता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनगणना कार्य को त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपादित कराने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा ने आज प्रातः नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 2 का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ प्रगणक, पर्यवेक्षक एवं चार्ज अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने क्षेत्र में घर-घर भ्रमण कर जनगणना कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने विशेष रूप से तालाबंद मकानों का निरीक्षण कर वहां की स्थिति की जानकारी ली तथा यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि ऐसे परिवारों का डेटा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार

पुनः संपर्क कर सही तरीके से दर्ज किया जाए, ताकि कोई भी परिवार जनगणना से वंचित न रहे।

कलेक्टर ने कुछ घरों में दर्ज जनगणना आंकड़ों का मौके पर ही सत्यापन कराया। उन्होंने प्रगणकों द्वारा एकत्रित की गई जानकारी को स्वयं के समक्ष मिलान कर सटीकता की जांच की और आवश्यक सुधार संबंधी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसके आधार पर भविष्य की विकास योजनाएं, संसाधनों का वितरण और जनकल्याणकारी नीतियां तैयार की जाती हैं। इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। कलेक्टर मिश्रा ने प्रगणकों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक परिवार की जानकारी पूरी सावधानी, गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ दर्ज की जाए। आंकड़ों की शुद्धता, पारदर्शिता और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा यदि किसी प्रकार की शंका या त्रुटि हो तो तत्काल उसका निराकरण किया जाए।

उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य केवल आंकड़े संकलन का कार्य नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक योजना निर्माण की आधारशिला है। इसलिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी इस कार्य को पूर्ण प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी के साथ संपादित करें। निरीक्षण के दौरान जनगणना कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

T-17 बाघिन पानी किनारे 3 घंटे तक बैठी दिखी, संजय टाइगर रिजर्व में पर्यटकों ने देखा शांत अंदाज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संजय टाइगर रिजर्व में भीषण गर्मी के बीच एक दुर्लभ नजारा देखने को मिला। यहां की प्रसिद्ध बाघिन ञ्च-17 शुक्रवार को करीब तीन घंटे तक पर्यटकों के सामने एक जल स्रोत के किनारे बैठी रही। यह पहली बार है जब यह बाघिन इतनी देर तक शांत मुद्रा में पर्यटकों के करीब दिखाई दी।

दोपहर लगभग 12 बजे पर्यटक सफारी के दौरान जंगल में एक जल स्रोत के पास पहुंचे। तभी उनकी नजर पानी के किनारे आराम कर रही ञ्च-17 बाघिन पर पड़ी। गर्मी से राहत पाने के लिए बाघिन लंबे समय तक वहीं बैठी रही, जिससे पर्यटकों को उसे करीब से देखने का मौका मिला।

पर्यटकों ने इस पल को अपने कैमरों में कैद कर लिया। बाघिन की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए, जहां लोगों ने उसके शांत स्वभाव और शाही अंदाज की सराहना की। कई पर्यटकों ने इस अनुभव को अपनी सबसे यादगार जंगल सफारी बताया।

गर्मी के मौसम में वन्यजीव अक्सर जल स्रोतों के आसपास सक्रिय हो जाते हैं, जिससे पर्यटकों को उन्हें देखने के अधिक अवसर मिलते हैं। ञ्च-17 बाघिन का इस तरह लंबे समय तक खुले में दिखना वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक रोमांचक अनुभव रहा।

ठंडक पाने पहुंचते जानवरः इस घटना पर राजेश कन्ना टी ने बताया कि गर्मी के कारण जंगली जानवर अक्सर पानी वाले क्षेत्रों के पास आते हैं और ठंडक पाने के लिए वहीं रुकते हैं। इसी वजह से यह बाघिन पर्यटकों को आसानी से दिखाई दी। इस वीडियो के सामने आने के बाद पर्यटकों में एक बार फिर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। टाइगर रिजर्व प्रबंधन को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में जंगल सफारी के प्रति लोगों का आकर्षण और बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री के सिंगरौली दौरे को लेकर ट्रैफिक प्लान जारी, 23 और 24 मई को बसें जिला पंचायत और ट्रामा सेंटर रोड से होकर चलेंगी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में 23 और 24 मई को मुख्यमंत्री के आने की तैयारी पूरी कर ली गई है। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने ट्रैफिक, पार्किंग और रास्तों को बदलने (डायवर्सन) के इंतजाम किए हैं। शहर के मुख्य रास्तों पर इन दो दिनों में खास ट्रैफिक प्लान लागू रहेगा।

यातायात थाना प्रभारी दीपेंद्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री का काफिला हेलीपैड एनसीएल ग्राउंड से शुरू होगा। इसके बाद यह सेंट जोसेफ तिराहा, बिलौजी तिराहा, मस्जिद तिराहा, टॉकीज तिराहा, राजकमल होटल, भाजपा कार्यालय, ढोटी तिराहा, इन्द्रा चौक होते हुए उमंग भवन और सूर्याभवन

तक जाएगा।

यहां होगी पार्किंग की व्यवस्थाः हेलीपैड के लिए जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की गाड़ियां सेंट जोसेफ स्कूल ग्राउंड में खड़ी होंगी। उमंग भवन कार्यक्रम के लिए आने वाले सभी वाहनों के लिए सरस्वती स्कूल परिसर में पार्किंग बनाई गई है। सिंगरौली महोत्सव के लिए मीडिया की गाड़ियां उत्कृष्ट ग्राउंड में और सरकारी अधिकारियों की गाड़ियां बैढ़न थाने में पार्क होंगी। इसके लिए वीआईपी रास्ता सूर्याभवन से इन्द्रा चौक और ढोटी तिराहा होते हुए स्टेडियम तक रहेगा।

भारी वाहनों पर रोक और रास्तों में बदलावः दोपहर 12 बजे से रात 12 बजे तक शहर के अंदर भारी और कमर्शियल गाड़ियों के आने-जाने पर पूरी तरह पाबंदी रहेगी। गनियारी, इन्द्राचौक, ढोटी तिराहा और माजन मोड़ से आने वाले भारी वाहनों को दूसरे रास्तों से भेजा जाएगा।

बस स्टैंड जाने वालों के लिए जरूरी जानकारीः यात्री बसें अब जिला पंचायत और ट्रामा सेंटर रोड से होकर चलेंगी। खास बात यह है कि शाम 4 बजे के बाद बस स्टैंड के अंदर बसों की एंट्री बंद कर दी जाएगी। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे असुविधा से बचने के लिए तय किए गए रूट और पार्किंग नियमों का पालन करें।

चितरंगी पुलिस ने 21 पशुओं से भरा ट्रक पकड़ा, सीधी से यूपी ले जा रहा था; पशु तस्करी मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले की चितरंगी पुलिस ने पशु तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने 21 भैंस और पाड़ा से भरे एक ट्रक को जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गुरुवार देर रात बैरदह तिराहे पर की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक ट्रक में पशुओं को क्रूरतापूर्वक बांधकर उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा है। इस सूचना पर चितरंगी पुलिस ने बैरदह तिराहे पर घेराबंदी की और ट्रक क्रमांक एमपी53जीए3288 को रोका। जांच में ट्रक के अंदर 21 भैंस और पाड़ा बेहद खराब स्थिति में ठूंस-ठूंसकर भरे पाए गए। पशुओं को रस्सियों से बांधकर अमानवीय तरीके से ले जाया जा रहा था।

सीधी से यूपी ले जाया जा रहा थाः पुलिस ने मौके से ताजुद्दीन खान, अरबाज खान और अनवर खान को गिरफ्तार किया। ये सभी कोदौरा, जिला सीधी के निवासी हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पशुओं को उत्तर प्रदेश के ड्रामलगंज ले जा रहे थे। चितरंगी थाना प्रभारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की गई। सभी गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है। पुलिस ने जब्त किए गए सभी पशुओं को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया है। अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध पशु तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्री एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के ऑनलाइन आवेदन शुरू, 15 मई से पोर्टल पर भरे जा रहे आवेदन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग सीधी ने जानकारी देते हुए बताया कि आयुक्त, अनुसूचित जाति विकास मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्री एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के नवीन एवं नवीनीकरण आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। बताया गया कि प्री एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के नवीन एवं नवीनीकरण आवेदन एम.पी.टास पोर्टल के माध्यम से तथा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के नवीनीकरण आवेदन एन.आई.सी. 2.0 पोर्टल के माध्यम से 15 मई 2026 से ऑनलाइन भरे जा रहे हैं। विभाग द्वारा पात्र विद्यार्थियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित पोर्टल के माध्यम से समय पर अपना आवेदन भरकर छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त करें। साथ ही संबंधित संस्थानों एवं हितग्राहियों को व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

मुर्गा खाने के विवाद पर चाचा का मर्डर, बुजुर्ग ने अस्पताल में तोड़ा दम; आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के मोरवा थाना क्षेत्र में मुर्गा खाने जैसी छोटी सी बात पर हुए विवाद में भतीजे ने अपने चाचा की लाठी मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार कर वारदात में इस्तेमाल हथियार बरामद कर लिया है। यह घटना 20 मई को सिद्धिखुर्द गांव में घटित हुई थी।

भतीजे ने सिर पर किया लाठी से हमलाः पुलिस के अनुसार, सिद्धिखुर्द निवासी मोतीलाल पनिक्का का अपने भतीजे मनीराम पनिक्का से घर में मुर्गा खाने को लेकर झगड़ा हुआ था। विवाद बढ़ने पर मनीराम ने अपने चाचा मोतीलाल के सिर पर लाठी से जोरदार हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने के कारण अस्पताल में इलाज के दौरान मोतीलाल

की मौत हो गई।

घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कियाः घटना के बाद आरोपी मनीराम पनिक्का (40) फरार हो गया था। थाना प्रभारी डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी को पेडताली के पास से हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त खून से सनी लाठी भी जब्त कर ली है।

कोर्ट में पेश किया, जांच जारीः मोरवा पुलिस ने आरोपी मनीराम के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक अर्चना धुर्वे सहित अन्य पुलिसकर्मियों की मुख्य भूमिका रही।

ग्रामीणों को गांव में ही मिलेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं, 23 मई को जूरी, गांधीग्राम, ममदर और पड़रिया में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को स्वास्थ्य सुविधाएं उनके नजदीक उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से 23 मई 2026 को विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी द्वारा आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। जारी कार्यक्रम के अनुसार 23 मई को शाम 4 बजे से 7 बजे तक जिले की विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों की चयनित ग्राम पंचायतों में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित होंगे। इनमें धौहनी विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत जूरी (कुसमी), सीधी विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत गांधीग्राम, चुरहट विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत ममदर तथा सिहावल विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया शामिल हैं।

इन विशेष शिविरों के माध्यम से ग्रामीण नागरिकों को स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श, आवश्यक उपचार संबंधी मार्गदर्शन तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जाएगा। शिविरों में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय विभाग तथा आयुष विभाग की संयुक्त भागीदारी रहेगी, जिससे नागरिकों को समेकित एवं प्रभावी सेवाएं मिल सकें। शिविरों के सुचारु संचालन के लिए संबंधित क्षेत्रों के सीडीपीओ एवं बीएमओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

एनटीपीसी विंध्याचल में राखड़ लोडिंग से धूल, ग्रामीण नाराज; बोले-पर्याप्त इंतजाम नहीं, जांच की मांग

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली स्थित एनटीपीसी विंध्याचल परियोजना में फ्लाई ऐश लोडिंग के दौरान उड़ रही धूल को लेकर आसपास के गांवों के लोगों ने चिंता जताई है। ग्रामीणों का आरोप है कि रेलवे रैक से राखड़ भेजने के दौरान प्रदूषण रोकने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं।

गांवों तक पहुंच रही राखः स्थानीय लोगों के अनुसार राखड़ लोडिंग स्थल गांवों के काफी करीब है। लोडिंग के दौरान उड़ने वाली राख हवा के साथ घरों तक पहुंच रही है। इससे लोगों को सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन और धूल से जुड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पूरे इलाके में दिनभर धूल और राख का असर बना रहता है।

एनटीपीसी ने कहा-नियमों के तहत हो रहा काम

पानी छिड़काव को बताया अपर्याप्तः ग्रामीण सुरेश पाण्डेय ने आरोप लगाया कि इतनी बड़ी मात्रा में राखड़ लोडिंग होने के बावजूद पर्याप्त वॉटर स्प्रिंकलर नहीं लगाए गए हैं। उनका कहना है कि सड़कों पर पानी का छिड़काव सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गया है और इससे धूल कम नहीं हो रही। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि बड़े क्षेत्र में केवल पतली पाइप से पानी डालकर राख उड़ने से कैसे रोका जा सकता है।

एनटीपीसी प्रबंधन बोले-नियमों का हो रहा है पालनः मामले में एनटीपीसी प्रबंधन ने दावा किया है कि फ्लाई ऐश पर लगातार पानी का छिड़काव किया जा रहा है। प्रबंधन की ओर से कुछ वीडियो और तस्वीरें भी साझा की गईं, जिनमें कर्मचारी पाइप से पानी डालते दिखाई दे रहे हैं। एनटीपीसी के पीआरओ ने कहा कि राखड़ परिवहन और लोडिंग के दौरान सभी नियमों का पालन किया जा रहा है और प्रदूषण नियंत्रण के लिए जरूरी व्यवस्थाएं लगातार की जा रही हैं।

25 से 31 मई तक जिले में मनाया जाएगा तंबाकू निषेध सप्ताह, युवाओं को किया जाएगा जागरूक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2026 के अवसर पर जिले में 25 मई से 31 मई 2026 तक तंबाकू निषेध सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम निकोटिन और तंबाकू की लत का आकर्षण बेनकाब करें निर्धारित की गई है। तंबाकू निषेध सप्ताह का उद्देश्य आमजन, विशेषकर युवाओं को तंबाकू एवं निकोटिन युक्त उत्पादों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवनशैली के लिए प्रेरित करना है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस दौरान जिलेभर में व्यापक जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों में जागरूकता रैली, शपथ ग्रहण, हस्ताक्षर अभियान, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विशेष जागरूकता सत्र, पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ नाटक तथा जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अग्रणी संजय गांधी महाविद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी में इको क्लब के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के कुशल मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन की मंशानुरूप किया गया। इस वर्ष जैव विविधता दिवस की थीम (वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करना) रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में इको क्लब प्रभारी डॉ. दिवाकर सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए जैव विविधता संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वक्ता के रूप में डॉ.

राकेश सिंह ने विश्व जैव विविधता दिवस के महत्व तथा जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी।

मुख्य वक्ता विभागाध्यक्ष डॉ. आई.पी. प्रजापति ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि स्थानीय स्तर पर किए गए छोटे-छोटे प्रयास किस प्रकार वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन के व्यावहारिक उपायों पर भी प्रकाश डाला।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि जैव विविधता संरक्षण केवल एक औपचारिक आयोजन का विषय नहीं, बल्कि इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रकृति संरक्षण के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार बनने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में डॉ. के.एल. प्रजापति, डॉ. अनीता द्विवेदी, प्रो. सरला सिंह, डॉ. गौरव यादव, डॉ. राजलाल पटेल, महाविद्यालय स्टाफ एवं इको क्लब के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में इको क्लब प्रभारी डॉ. दिवाकर सिंह ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पिकअप घर में घुसी, दो महिलाओं की मौत; आरोपी ड्राइवर पर केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के माडा थाना क्षेत्र के करामी गांव में गुरुवार रात एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने घर में जा घुसा। हादसे में घर के अंदर मौजूद दो महिलाओं की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हादसा रात करीब 11 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पिकअप वाहन तेज गति से गांव से गुजर रहा था। इसी दौरान चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और पिकअप सीधे एक मकान में घुस गई। हादसे में जुकुनी पनिका की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं जनकधारी पनिका की पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिनकी बाद में मौत हो गई।

चालक मौके से फरारः घटना के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। माडा थाना पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया और पंचनामा कार्रवाई शुरू की। माडा थाना प्रभारी ने बताया कि पिकअप वाहन की पहचान कर ली गई है। मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। फरार चालक की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित की गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पाक में पलते आतंकी

संपादकीय

पिछले पांच-छह वर्षों से अब तक अज्ञात बंदूकधारियों की ओर से कम से कम दो दर्जन ऐसे आतंकियों का खात्मा किया जा चुका है, जिन्होंने भारत में आतंकी हमले कराए। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भारत के लिए खतरा बने एक और आतंकी सरगना हमजा बुरहान का मारा जाना यही बताता है कि ऐसे आतंकियों को ठिकाने लगाने वाले अज्ञात बंदूकधारी अपने काम पर लगे हुए हैं। पुलवामा का रहने वाला हमजा पाकिस्तान पढ़ने के लिए गया था, लेकिन वहां जाकर वह आतंकी संगठन अल बद्र का गुर्गा बन गया और कश्मीरी युवाओं को आतंक के रास्ते पर चलने के लिए उकसाने लगा। पुलवामा आतंकी हमले में उसका भी हाथ था। हालांकि वह अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था, लेकिन फिर भी अज्ञात बंदूकधारियों की निगाह से बच नहीं पाया। प्रश्न यह नहीं है कि इन अज्ञात बंदूकधारियों के पीछे कौन है?

प्रश्न यह है कि आखिर पाकिस्तान भारत के लिए खतरा बने आतंकियों को पालने-पोसने से कब बाज आएगा? चूंकि वह बाज नहीं आ रहा है, इसलिए वहां पल रहे आतंकियों का येन-केन-प्रकारेण खात्मा ही भारत के हित में है। जब सीधी अंगुली से घी न निकले तो अंगुली टेढ़ी करनी ही पड़ती है और आतंकियों के खात्मे में तो साम-दाम-दंड-भेद यानी कोई भी जतन करने में हर्ज नहीं।

यह अच्छा है कि भारत में आतंकी हमले कराने अथवा कश्मीरी युवाओं को भड़काने वाले आतंकियों के खात्मे का सिलसिला न केवल कायम है, बल्कि वह तेज होता हुआ भी दिख रहा है। यह इतना तेज होना चाहिए कि पाकिस्तान में पल रहे आतंकियों के साथ-साथ वहां के सत्ता प्रतिष्ठान को भी यह संदेश जाए कि भारत को क्षति पहुंचाने वाले सुरक्षित बचने वाले नहीं हैं। और भी अच्छा यह होगा कि भारत के लिए खतरा बने आतंकियों को पालने-पोसने और उन्हें हर तरह की मदद देने वालों तक भी अज्ञात बंदूकधारी पहुंचें। पिछले पांच-छह वर्षों से अब तक अज्ञात बंदूकधारियों की ओर से कम से कम दो दर्जन ऐसे आतंकियों का खात्मा किया जा चुका है, जिन्होंने भारत में आतंकी हमले कराए। इनमें जैश, लश्कर के कई आतंकी सरगना हैं। ऐसे शेष आतंकियों की लंबी सूची है। इनमें मसूद अजहर और हाफिज सईद जैसे आतंकी सरगना तो हैं ही, दाऊद इब्राहिम भी है। भारत विरोधी आतंकियों की लंबी सूची यही बताती है कि पाकिस्तान का सत्ता प्रतिष्ठान और विशेष रूप से उसकी खुफिया एजेंसी आइएसआइ इन आतंकियों को बिना किसी शर्म-संकोच पाल रही है, लेकिन अज्ञात बंदूकधारियों से वे लाहौर से लेकर पेशावर तक कहीं भी नहीं बच पा रहे हैं। उन्हें बचना भी नहीं चाहिए।

1975 का आक्रोश और 2026 का बेचैन भारत?

सनत जैन

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 1975 केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि सत्ता, आर्थिक संकट और जनाक्रोश के टकराव का प्रतीक भी है। 2026 में देश की परिस्थितियों को देखकर बार-बार 1975 की मंहगाई का वही प्रश्न उठता है, क्या भारत फिर किसी बड़े राजनीतिक और सामाजिक विस्फोट की ओर बढ़ रहा है? जिसमें सत्ता का परिवर्तन भी हुआ था। 1971 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को पराजित कर स्वतंत्र राष्ट्र के तौर पर बांग्लादेश का निर्माण कराया था। करीब एक करोड़ शरणार्थियों का बोझ भारत ने उठाया। पाकिस्तानी सेना के 95000 से अधिक जवान आत्मसमर्पण कर भारत में रहे। युद्ध के बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रतिबंध ने तेल संकट और आर्थिक प्रतिबंधों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी थी। पेट्रोल, डीजल और खाद्यान्न की कमी ने महंगाई को विस्फोटक बना दिया। इंदिरा गांधी 1971 का युद्ध जीतकर 'दुर्गा' कहलायीं, लेकिन 1974 आते-आते जनता की नजर में वही इंदिरा गांधी की सरकार महंगाई और बेरोजगारी की प्रतीक बन गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा इंदिरा गांधी का चुनाव अवैध घोषित किया गया, इसने आंदोलन की आग में घी डालने और आंदोलन को उग्र किया। छात्र, कर्मचारी, ट्रेड यूनियन और विपक्ष एक मंच पर आ गए। जयप्रकाश नारायण ने व्यवस्था परिवर्तन का नारा दिया। रेलवे हड़ताल से लेकर विश्वविद्यालयों के छात्र आंदोलनों तक से देश उबाल पर था। जेपी ने पुलिस और सेना को सरकार के आदेश नहीं मानने का आव्हान किया। जब सरकार को लगा कि आंदोलन नियंत्रित करना संभव नहीं है, सत्ता हाथ से निकल सकती है, तब 25 जून 1975 को सरकार ने आपातकाल लागू कर दिया। लोकतंत्र को कुचलने की वह कीमत अंततः कांग्रेस को 1977 के चुनाव में चुकानी पड़ी। उत्तर भारत में कांग्रेस की करारी पराजय हुई। आज का भारत भले तकनीकी रूप से आधुनिक हो। आर्थिक और सामाजिक बेचैनी 1975 जैसी खतरनाक स्तर तक बढ़ती हुई दिख रही है। रुपया लगातार गिर रहा है। 97 के स्तर पर पंहुच गया है। महंगाई आम आदमी की कमर तोड़ रही है, आयात बढ़ गया है। विदेशी मुद्रा का संकट है। युवाओं में बेरोजगारी को लेकर गुस्सा बढ़ रहा है। करोड़ों डिग्रीधारी युवा प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक, भर्ती घोटालों और अस्थायी रोजगार से त्रस्त हैं। जिन युवाओं को अच्छे दिन, करोड़ों युवाओं को हर साल नौकरी देने और 'विश्वगुरु भारत' का सपना दिखाया गया था। वही युवा वर्ग आज नौकरी और भविष्य की सुरक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है, जनता का भरोसा वर्तमान सरकार से तेजी से कमजोर पड़ता दिख रहा है। किसान आंदोलनों, अग्निवीर योजना के विरोध, पेपर लीक, आरक्षण विवाद और मतदाता सूची से नाम काटे जाने भ्रष्टाचार जैसे आरोपों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल खड़े हो रहे हैं। न्यायपालिका को लेकर असंतोष और अविश्वास बढ़ा है। हाल में बेरोजगार युवाओं को लेकर मुख्य न्यायाधीश की कथित टिप्पणी ने युवाओं के आक्रोश को और हवा दी है। जब जनता को यह महसूस होने लगे, सत्ता, प्रशासन और न्याय तीनों उसकी पीड़ा को नहीं सुन रहे हैं, तब व्यवस्था के प्रति अविश्वास खतरनाक मोड़ पर पंहुच जाता है। मंहगाई, बेरोजगारी और कर्ज के कारण आम आदमी का जीवन मुश्किल हो गया है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में युवाओं का उग्र असंतोष सत्ता परिवर्तन का कारण बना है। भारत में भी सोशल मीडिया के दौर में नाराजगी अधिक तेज़ी से फैल रही है। फर्क सिर्फ इतना है कि भारत का आकार और सोच कहीं अधिक बड़ी है। यदि आर्थिक संकट, बेरोजगारी, कर्ज और राजनीतिक, धार्मिक ध्रुवीकरण इसी तरह बढ़ते रहे, तो सामाजिक परिवर्तन की दशा में 1975 से ज्यादा गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

इतिहास का सबसे बड़ा सबक यही है कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने से नहीं चलता। जब जनता की थाली महंगी हो, जेब खाली हो और भविष्य अंधकारमय लगे, तब सबसे शक्तिशाली सरकार का अस्तित्व समाप्त हो जाता है। 1975 में सत्ता ने असहमति को दबाने का रास्ता चुना था। 2026 के भारत में सत्ता के सामने यही चुनौती है। वर्तमान सरकार लोकतंत्र में पूंजीवादी व्यवस्था के स्थान पर समाजवादी व्यवस्था जिसमें समाज के सभी कमजोर वर्ग को राहत मिले। यह रास्ता चुनेगी या एक बार फिर इतिहास खुद को दोहराने की कोशिश करेगा।

तमिलनाडु में तमिल राजनीति के उदय से उम्मीद की नई किरणें

विनोद कुमार सिंह

तमिलनाडु विधान सभा चुनाव 26 के बदलते जनादेश ने तमिल द्रविड़ राजनीति से 'नई तमिल राजनीति' भारतीय लोकतंत्र को दिया नया संदेश वैश्विक राजनीतिक पटल पर सैदव ही भारत व भारतीय लोकतंत्र की चर्चा होती रहती है।भारत में संविधान ही सर्वोपरि है।जो अपने नागरिको मौलिक अधिकारो व कर्तव्यों की स्पष्ट उल्लेख किया है। यहाँ के नागरिकों को मताधिकार दिया है।भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत रही है कि यहाँ जनता समय-समय पर सत्ता, समीकरण और राजनीतिक विचार धारों व धारणाओं को बदलती रही है।भारतीय राजनीति में कोई भी राजनीतिक दल की शक्ति स्थायी नहीं होती।कभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों का प्रभाव चरम पर होता है,तो कभी क्षेत्रीय अस्मिता नई राजनीतिक धारा बनकर उभरती है। विगत दिनों दक्षिण भारत का तमिलनाडु राज्य इसी राजनीतिक परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण रहा है।सर्वविदित रहे कि सन् 1967 में जब सी एन अन्ना दुरई के नेतृत्व में द्रविड़ राजनीति ने कांग्रेस के लंबे राजनीतिक वर्चस्व को समाप्त कर सत्ता के सिंघासन हासिल की थी,तब शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि आने वाले दशकों में तमिलनाडु भारतीय राजनीति की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक प्रयोगशाला बन जाएगा।उस दौर में द्रविड़ आंदोलन केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं था,बल्कि सामाजिक न्याय, भाषायी अस्मिता,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक आत्मसम्मान का बड़ा आंदोलन बन चुका था।तमिल समाज ने पहली बार यह महसूस किया कि दिल्ली की राजनीति से अलग उनकी अपनी भी एक राजनीतिक पहचान हो सकती है।यही वह दौर था जब राजनीति और सिनेमा ने मिलकर दक्षिण भारत में एक नई सामाजिक चेतना को जन्म दिया।तमिल फिल्मों के संवाद केवल मनोरंजन नहीं रहे,बल्कि राजनीतिक संदेश बन गए।फिल्मी के सुनहरे पर्दे पर गरीबों के रक्षक और अन्याय के विरुद्ध लड़ने वाले नायक जनता की वास्तविक राजनीति के नायक बनते चले गए।

इसी राजनीतिक-सांस्कृतिक वातावरण से एम जी रामा चन्द्रन जैसे करिश्माई नेता उभरे,जिन्होंने जनता के दिलों पर ऐसा प्रभाव स्थापित किया कि फिल्मों की लोकप्रियता सीधे राजनीतिक जनसमर्थन में बदल गई।उनके जे जयललिता ने भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाया और तमिल राजनीति में महिला नेतृत्व की एक अलग पहचान बनाई।दक्षिण भारत में फिल्म और राजनीति का यह अनूठा संगम धीरे-धीरे आंध्र प्रदेश तक पहुँचा,जहाँ एन टी रामा राव ने तेलुगु अस्मिता को राजनीतिक शक्ति में बदल दिया।यह वह नया दौर था जब राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के सामने क्षेत्रीय दलों की शक्ति तेजी से बढ़ रही थी।लगभग छह दशकों तक तमिलनाडु की राजनीति द्रविड़ दलों के इर्द-गिर्द धुमती रही।कभी डी एम के सत्ता में आई तो कभी ए आई ए डी एम के लेकिन राजनीतिक केंद्र वहीं बना रहा।जनता के सामने विकल्प बदलते रहे,किन्तु राजनीति का मूल स्वर द्रविड़ विचारधारा ही बनी रही,किन्तु समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता।राजनीति में भी पीढ़ियाँ बदलती हैं,प्राथमिकताएँ बदलती हैं और जनता की अपेक्षाएँ भी बदल जाती हैं।वर्ष 2026 का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा संकेत बनकर सामने आया।इस चुनाव ने न केवल राजनीतिक पंडितों के सभी अनुमान उलट दिए,बल्कि यह भी साबित कर दिया कि जनता जब परिवर्तन का मन बना लेती है,तो दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाएँ भी हिल जाती हैं।तमिल फिल्म जगत के लोकप्रिय अभिनेता विजय के नेतृत्व में उभरी नई राजनीतिक धारा ने पहली बार तमिलनाडु की राजनीति को द्रविड़ बनाम द्रविड़ की पारंपरिक लड़ाई से बाहर निकालने का प्रयास किया।विजय ने स्वयं को केवल अभिनेता के रूप में प्रस्तुत नहीं किया,बल्कि 'नई तमिल राजनीति ' के नायक के रूप में स्थापित करने की कोशिश की।उनकी सभाओं में उमड़ती युवाओं की भीड़,सोशल मीडिया पर असाधारण लोकप्रियता और पारंपरिक राजनीति के विरुद्ध आक्रोश ने चुनावी वातावरण को पूरी तरह बदल दिया।शुरुआत में राजनीतिक विश्लेषक इसे केवल 'स्टारडम का प्रभाव' मान रहे थे,लेकिन विधान सभा चुनाव के परिणामों ने यह साबित कर दिया कि तमिलनाडु की जनता बदलाव चाहती थी।तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 सीटों में बहुमत के लिए 118 सीटों की आवश्यकता थी।चुनाव परिणामों में विजय की पार्टी टी वी के ने 108 सीटें जीतकर सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में उभरकर सबको चौंका दिया।वहीं डी ए के 59 सीटों पर सिमट गई और ए आई ए डी एम के गठबंधन लगभग 53 सीटों तक सीमित रह गया।कांग्रेस को केवल 5 सीटों से संतोष करना पड़ा।इन परिणामों ने केवल सरकार का गणित नहीं बदला,बल्कि तमिलनाडु की राजनीति की आत्मा में चल रहे परिवर्तन को भी उजागर कर दिया।यह चुनाव भावनात्मक नारों और पारंपरिक राजनीतिक विरासत से आगे बढ़कर नई आकांक्षाओं का चुनाव बन चुका था। युवाओं की नई पीढ़ी रोजगार चाहती है,तकनीकी विकास चाहती है,उद्योग चाहती है,डिजिटल अवसर चाहती है और सबसे अधिक पारदर्शी शासन चाहती है।

पहली बार मतदान करने वाले लाखों युवा मतदाताओं ने जातीय और परंपरागत राजनीतिक निष्ठाओं से ऊपर उठकर 'नए नेतृत्व' पर भरोसा जताया।यही कारण रहा कि शहरी क्षेत्रों,आईटी कॉरिडोर और शिक्षित युवाओं वाले निर्वाचन क्षेत्रों में पारंपरिक दलों को अपेक्षित समर्थन नहीं मिल पाया।राजनीतिक विश्लेषकों की सबसे बड़ी भूल यह रही कि वे तमिलनाडु की राजनीति को पुराने चुनावी गणित से समझने का प्रयास करते रहे,जबकि जनता का मन बदल चुका था।एग्जिट पोल और राजनीतिक सर्वेक्षण जहाँ द्रविड़ दलों की मजबूत वापसी का दावा कर रहे थे,वहीं मतदाताओं ने चुपचाप एक नया राजनीतिक संदेश लिख दिया।दरअसल तमिलनाडु में यह परिवर्तन अचानक नहीं आया।पिछ्ले कुछ वर्षों से जनता के भीतर नेतृत्व को लेकर एक खालीपन महसूस किया जा रहा था।एम करुणा निधि और जयललिता जैसे बड़े नेताओं के जाने के बाद राजनीति में वह भावनात्मक करिश्मा दिखाई नहीं दे रहा था जिसने दशकों तक जनता को जोड़े रखा था।इसी राजनीतिक रिक्तता में नए चेहरे और नई राजनीति के लिए जगह बनी। विजय ने चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार 'तमिल अस्मिता' और 'नई पीढ़ी की राजनीति' को केंद्र में रखा।उन्होंने पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से दूरी बनाते हुए स्वयं को भविष्य की राजनीति का चेहरा साबित करने का प्रयास किया।इस चुनाव का सबसे बड़ा झटका भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को लगा। कभी दक्षिण भारत में मजबूत राजनीतिक आधार रखने वाली कांग्रेस अब गठबंधन की राजनीति तक सीमित दिखाई दे रही है। तमिलनाडु के परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल क्षेत्रीय दलों के सहारे राजनीति करने से किसी राष्ट्रीय दल का जनाधार मजबूत नहीं हो सकता।कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा संकट स्थानीय नेतृत्व का अभाव है।पार्टी के पास ऐसा कोई करिश्माई चेहरा नहीं दिखता जो तमिलनाडु की जनता के भीतर नई ऊर्जा पैदा कर सके।यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक पुनर्गठन और दक्षिण भारत की नई रणनीति पर गंभीर चर्चा प्रारम्भ हो गई है।राजनीतिक दृष्टि से देखें तो तमिलनाडु का यह जनादेश केवल एक राज्य की घटना नहीं है।यह भारतीय राजनीति में बदलती सामाजिक मानसिकता का संकेत है।आने वाले समय में क्षेत्रीय पहचान,युवा नेतृत्व,डिजिटल राजनीति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का प्रभाव और अधिक बढ़ सकता है।राजनीति के विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य की राजनीति अब केवल जातीय समीकरणों और पारंपरिक वोट बैंक के सहारे नहीं चलेगी।सोशल मीडिया,युवा मतदाता और राजनीतिक पारदर्शिता नए निर्णायक कारक बन चुके हैं। तमिलनाडु ने यह संदेश पूरे देश को दे दिया है।दिलचस्प बात यह भी रही कि इस चुनाव में जनता ने 'स्थिरता बनाम परिवर्तन' के बीच परिवर्तन को प्राथमिकता दी।यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती है कि जनता जब बदलाव चाहती है,तो सबसे मजबूत राजनीतिक किले भी ढह जाते हैं।तमिलनाडु ने एक बार फिर भारतीय राजनीति को नई दिशा देने का काम किया है।कभी इसी राज्य ने कांग्रेस के प्रभुत्व को चुनौती दी थी,फिर द्रविड़ राजनीति को राष्ट्रीय विमर्श बनाया और अब 'नई तमिल राजनीति' की चर्चा शुरू कर दी है।आज पूरा देश तमिलनाडु के राजनीतिक घटना क्रम को इसलिए ध्यान से देख रहा है क्योंकि वहाँ से उठी राजनीतिक लहर आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी बदल सकती है।तमिलनाडु विधान सभा चुनाव 26 के बदलते जनादेश ने तमिल द्रविड़ राजनीति से 'नई तमिल राजनीति' भारतीय लोकतंत्र को दिया नया संदेश।दरअसल लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता जनार्दन का मौन निर्णय होता है।राजनीतिक पंडित अक्सर आँकड़ों में उलझ जाते हैं,लेकिन जनता अपने मन का फैसला चुपचाप करती है।तमिलनाडु के इस जनादेश ने एक बार फिर यही सिद्ध किया है कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के हाथ में ही होती है।विगत विधान सभा के चुनाव 26 का परिणाम केवल सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं है।यह बदलती पीढ़ी,नई आकांक्षाओं,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक पुनर्जागरण की कहानी भी है।भविष्य के आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति का नया अध्याय दक्षिण भारत से ही लिखा जाए।अगर यदि ऐसा होता है,तो इतिहास यह अवश्य दर्ज करेगा कि तमिलनाडु ने एक बार फिर देश को राजनीति की नई दिशा दिखाई थी।

(आलेख-विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)

राजनीति सनातन विरोध की बजाय आममुद्दों पर केंद्रित हो

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है-सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं...

ललित गर्ग

तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है।

सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। 'सत्यं वद, धर्मं चर', 'वसुधैव कुटुम्बकम्', 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है।

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना। समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है।

भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चूक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असंवेदनशील दिखता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यह चिंता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के दौरान धर्म, विशेषकर सनातन और हिंदू आस्था को लेकर कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमूक आदि विपक्षी दलों एवं उनके कुछ नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को व्यापक जनसमुदाय ने सनातन पर आक्षेप या हिंदू भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता के रूप में देखा, जिसके राजनीतिक प्रभाव भी दिखाई दिए। किंतु इस विषय को केवल 'हिंदू विरोध' बनाम 'राजनीतिक विरोध' के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत एक लोकतांत्रिक और बहुलतावादी राष्ट्र है, जहां किसी भी राजनीतिक दल को सरकार, नीतियों या नेतृत्व का विरोध करने का अधिकार है, लेकिन यदि वह विरोध आस्था, संस्कृति और बहुसंख्यक समाज की भावनाओं से टकराता हुआ प्रतीत हो, तो उसका राजनीतिक मूल्य चुकाना पड़ सकता है। यही कारण है कि कई दलों के लिए यह धारणा चुनौती बनी कि वे सत्ता-विरोध की राजनीति करते-करते सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनाओं से दूर हो गए हैं। भारत में सनातन केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, परंपरा, संस्कृति, सहिष्णुता और सभ्यता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उसके प्रति असावधान भाषा या नकारात्मक संकेत जनमानस में प्रतिकूल प्रतिक्रिया उत्पन्न करते रहे हैं। दूसरी ओर लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा यह भी अपेक्षा करती है कि राजनीतिक विमर्श व्यक्तियों, नीतियों और शासन के मुद्दों पर केंद्रित रहे, न कि धार्मिक ध्रुवीकरण पर। राजनीतिक दलों के लिए यह आवश्यक है कि वे मतभेद रखें, आलोचना करें, लेकिन भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक संवेदनशीलता और आस्था के सम्मान का संतुलन बनाए रखें, क्योंकि जनता अंततः उसी नेतृत्व को स्वीकार करती है जो उसकी भावनाओं, परंपराओं और राष्ट्रीय मानस को समझने का प्रयास करता है।

भारत की राजनीति को 'धर्म बनाम धर्म' की लड़ाई से ऊपर उठकर 'जन बनाम जनसमस्या' के विमर्श की ओर बढ़ना होगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता मंदिर भी चाहती है और रोजगार भी, आस्था भी चाहती है और अवसर भी, संस्कृति भी चाहती है और आधुनिकता भी। केवल धार्मिक ध्रुवीकरण किसी राष्ट्र की स्थायी प्रगति का आधार नहीं बन सकता। आज आवश्यकता है कि राजनीतिक दल सनातन विरोध या हिंदू विरोध जैसे आरोप-प्रत्यारोपों की राजनीति से बाहर निकलें। यदि किसी परंपरा में सुधार की बात करनी है, तो वह सम्मानजनक भाषा और रचनात्मक दृष्टि से हो। सामाजिक न्याय का अर्थ सांस्कृतिक अस्वीकार नहीं होना चाहिए और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ अन्य दृष्टियों का निषेध भी नहीं होना चाहिए। भारतीय सभ्यता की शक्ति उसकी विविधता और सहिष्णुता रही है।

स्वास्थ्य मंत्री की संवेदनशील पहल रंग लाई, भालू हमले की पीड़िता प्रेमबाई के घर पहुँची मेडिकल बोर्ड टीम, 55' दिव्यांगता की पुष्टि

जिले में मानवता और संवेदनशील प्रशासन की मिसाल, सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे के निर्देश पर घर पहुंचकर हुई जांच

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की संवेदनशील सोच और जनहितैषी कार्यशैली का सकारात्मक असर अब जमीनी स्तर पर स्पष्ट दिखाई देने लगा है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में भालू हमले की पीड़िता प्रेमबाई गोंड को राहत पहुंचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने ऐसा मानवीय कदम उठाया, जिसकी पूरे क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है। ग्राम चिडोला निवासी प्रेमबाई गोंड, जो पिछले वर्ष भालू के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गई थीं, उनकी पीड़ा और परिस्थितियों को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने तत्काल संवेदनशील पहल की। उनके निर्देश पर गठित जिला मेडिकल बोर्ड की टीम स्वयं पीड़िता के घर पहुंची और घर पर ही उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया। मेडिकल बोर्ड द्वारा किए गए परीक्षण में प्रेमबाई गोंड में 55 प्रतिशत दिव्यांगता की पुष्टि की गई। साथ ही दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है, जिससे उन्हें वन विभाग से मिलने वाली सहायता राशि, बीमा लाभ एवं अन्य शासकीय सुविधाएं प्राप्त करने में आसानी होगी।

भालू हमले ने बदल दी जिंदगी, चली गई एक आंख की रोशनी: जानकारी के अनुसार 20 जून 2025 को जंगल क्षेत्र में लकड़ी और अन्य वन उपज संग्रहण के दौरान प्रेमबाई गोंड पर अचानक भालू ने हमला कर दिया था। इस दर्दनाक घटना में उनकी एक आंख बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे उनकी दृष्टि हमेशा के लिए चली गई। घटना के बाद से उनका जीवन शारीरिक पीड़ा, आर्थिक कठिनाइयों और असहाय परिस्थितियों के बीच गुजर रहा था। वन विभाग से सहायता राशि प्राप्त करने के लिए दिव्यांग प्रमाण पत्र अनिवार्य था, लेकिन आर्थिक तंगी और शारीरिक अस्वस्थता के कारण उनके लिए जिला अस्पताल तक पहुंच पाना संभव नहीं हो पा रहा था। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग की यह पहल उनके लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई।

स्वास्थ्य मंत्री की मंशा के अनुरूप संवेदनशील प्रशासनिक पहल: स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल लगातार अधिकारियों को यह निर्देश देते रहे हैं कि शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण के साथ पहुंचाया जाए। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे ने मामले में त्वरित संज्ञान लेते हुए मेडिकल बोर्ड की टीम को गांव भेजने का निर्णय लिया। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी की। इससे पीड़िता और उनके परिवार को न केवल मानसिक राहत मिली, बल्कि सरकारी सहायता प्राप्त करने का रास्ता भी आसान हो गया।

ग्रामीणों ने जताया आभार, कहा - यही है सच्ची जनसेवा: ग्राम चिडोला सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन की इस संवेदनशील पहल की व्यापक सराहना हो रही है। ग्रामीणों एवं पीड़िता के परिजनों ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना है कि किसी गरीब और असहाय महिला के घर तक पहुंचकर मेडिकल जांच करना वास्तव में संवेदनशील, जवाबदेह और जनहितैषी शासन व्यवस्था का उत्कृष्ट उदाहरण है। लोगों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी प्रशासन इसी तरह जरूरतमंदों की समस्याओं का त्वरित और मानवीय समाधान करता रहेगा।

मानवता, संवेदनशीलता और जनसेवा का प्रेरक उदाहरण: एमसीबी जिले में स्वास्थ्य विभाग की यह पहल केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि मानवता, संवेदनशीलता और जनसेवा का प्रेरणादायक संदेश भी है। एक पीड़ित महिला को उसके अधिकार दिलाने के लिए मेडिकल बोर्ड का घर तक पहुंचना शासन की सकारात्मक कार्यशैली, जवाबदेह प्रशासन और जनकल्याणकारी सोच का सशक्त उदाहरण माना जा रहा है।

डॉ. अंबेडकर की मूर्ति तोड़ने वाला आरोपी गिरफ्तार, शराब के नशे में दिया था वारदात को अंजाम

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के सूंड गांव में डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति तोड़े जाने के मामले में पुलिस ने आरोपी कैलाश यादव को गिरफ्तार किया है। मूर्ति तोड़े जाने के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया था, जिसके बाद पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को जल्द आरोपी की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया था। गुरुवार को आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

धार्मिक भावनाएं आहत करने का केस दर्ज हुआ था: पुलिस के अनुसार, ग्राम सूंड निवासी विकास जाटव ने 20 और 21 मई की दरमियानी रात डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति खंडित किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस घटना से लोगों की धार्मिक और सामाजिक भावनाएं आहत हुई थीं। सिरसौद थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 147/26 के तहत धारा 298 बीएनएस में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले और एसडीओपी पोहरी आनंद राय के मार्गदर्शन में एक पुलिस टीम का गठन किया गया। मुखबिर की सूचना पर, आरोपी कैलाश यादव (35) पुत्र रामदयाल यादव, निवासी ग्राम सूंड (हाल निवासी ग्राम खर्द) को बेरजा नदी पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया।

पहले भी इस तरह की वारदात को दे चुका अंजाम: पूछताछ में आरोपी कैलाश यादव ने बताया कि घटना के समय वह अत्यधिक शराब के नशे में था और उसी हालत में उसने मूर्ति को नुकसान पहुंचाया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी वर्ष 2018 में भी इसी तरह की वारदात को अंजाम दे चुका है।

शिवपुरी के कठमई में पानी की किल्लत बरकरार, टंकी और पाइपलाइन तैयार; अफसर बोले- कनेक्शन नहीं ले रहे लोग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। नगर पालिका क्षेत्र के कठमई इलाके में कई परिवार थीम रोड किनारे स्थित एकमात्र बोरवेल पर निर्भर हैं। नल जल योजना और पानी की टंकी होने के बावजूद रहवासियों को पानी नहीं मिल रहा है और आज भी जल संकट का सामना कर रहे हैं।

बोरवेल खराब होने पर डेढ़ किलोमीटर दूर से जाने को मजबूर: जब यह बोरवेल खराब हो जाता है, तो लोगों को लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता है, जिससे विशेषकर महिलाओं और बच्चों को अत्यधिक परेशानी होती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे लंबे समय से नियमित जल आपूर्ति की मांग कर रहे हैं, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। गर्मी के मौसम में यह समस्या और भी विकट हो जाती है।

पाइपलाइन और टंकी बनने के बाद भी शुरू नहीं हुई आपूर्ति: हालांकि, नगर पालिका द्वारा कठमई क्षेत्र में पानी की आपूर्ति के लिए टंकी का निर्माण और पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, पाइपलाइन का परीक्षण और मिलान कार्य भी संपन्न हो चुका है। इसके बावजूद, अधिकांश घरों में अब तक पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो पाई है।

नल कनेक्शन न लेने को लेकर सीएमओ का बयान: इस संबंध में नगर पालिका सीएमओ इशांक धाकड़ ने बताया कि कठमई क्षेत्र में पानी आपूर्ति की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समस्या यह है कि क्षेत्र के रहवासी नल कनेक्शन नहीं ले रहे हैं। सीएमओ धाकड़ ने आश्वस्त किया कि जैसे ही लोग नगर पालिका से नल कनेक्शन लेंगे, उनके घरों तक नियमित पानी पहुंचना शुरू हो जाएगा।

सड़क हादसे में घायल 6 लोगों की डायल-112 ने बचाई जान

पाटी थाना क्षेत्र में दो बाइक की भिड़ंत, पुलिस की तत्परता से समय पर मिला उपचार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल/बड़वानी (निप्र)। बड़वानी जिले के थाना पाटी क्षेत्र में डायल-112 जवानों की त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई से सड़क दुर्घटना में घायल हुए छह लोगों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया। पुलिस की तत्परता के कारण घायलों को तत्काल राहत मिली और समय रहते उनका इलाज शुरू हो सका। जानकारी के अनुसार 21 मई को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना पाटी क्षेत्र अंतर्गत बोकराटा रोड पर दो मोटर साइकिलों की आमने-सामने से जोरदार टक्कर हो गई है। हादसे में छह व्यक्ति घायल हो गए थे और तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता थी। सूचना मिलते ही थाना पाटी क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को तत्काल मौके

के लिए रवाना किया गया।

घटनास्थल पर पहुंचने पर डायल-112 स्टाफ आरक्षक प्रशांत मोरे एवं पायलट विशाल चौहान ने देखा कि दुर्घटना में सभी घायल सड़क पर पड़े हुए थे और उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता थी। डायल-112 जवानों ने बिना समय गंवाए तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को सुरक्षित डायल-112 वाहन एवं चिकित्सा वाहन की सहायता से अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार प्रारंभ कराया गया। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस जवानों की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई की सराहना की। समय पर सहायता मिलने से घायलों की स्थिति गंभीर होने से बच गई। डायल-112 हीरोज श्रृंखला के तहत की गई यह कार्रवाई एक बार फिर साबित करती है कि डायल-112 सेवा आपातकालीन परिस्थितियों में आमजन की सुरक्षा और जीवन रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सड़क दुर्घटना, विवाद, स्वास्थ्य संकट या अन्य किसी भी आपात स्थिति में डायल-112 जवान सेवा भाव, संवेदनशीलता और तत्परता के साथ लोगों की सहायता कर रहे हैं।

मनेन्द्रगढ़ के कठौतिया वनोपज गोदाम में भीषण आग, 150 बोरी तेंदूपत्ता जलकर राख

शॉर्ट सर्किट से आग की आशंका, लाखों का नुकसान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ क्षेत्र केकठौतिया स्थित लघु वनोपज गोदाम में शुक्रवार दोपहर भीषण आग लग गई। आग की इस घटना में करीब 150 बोरी तेंदूपत्ता जलकर खाक हो गया। हादसे के बाद गोदाम परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर के समय गोदाम परिसर से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। कुछ ही देर में आग तेजी से फैल गई और तेंदूपत्ता से भरी बोरियां उसकी चपेट में आ गईं। गोदाम में बड़ी मात्रा में तेंदूपत्ता रखा होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। मौके पर मौजूद कर्मचारियों और आसपास के ग्रामीणों में हड़कंप मच गया।

फायर ब्रिगेड पहुंचने में हुई देरी: स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड और वन विभाग को सूचना दी। ग्रामीणों का आरोप है कि दमकल टीम देर से मौके पर पहुंची, तब तक बड़ी मात्रा में तेंदूपत्ता जल चुका था। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान कई लोगों ने अपने स्तर पर पानी और अन्य संसाधनों से आग बुझाने की कोशिश की।

शॉर्ट सर्किट की आशंका: वन विभाग के एसडीओ के. एस. खूंटे ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। गोदाम की बिजली व्यवस्था की जांच कराई जा रही है। विभागीय टीम फिलहाल नुकसान का आकलन कर रही है।

लाखों के नुकसान की आशंका: तेंदूपत्ता संग्रहण सीजन होने की वजह से गोदाम में बड़ी मात्रा में सामग्री रखी गई थी। आगजनी से विभाग को लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल विभागीय टीम नुकसान का आकलन कर रही है।

बंदूक छोड़ कलम और रोजगार थामेगा युवा, पुलिस की परिवर्तन मुहिम बनी नई मिसाल

सिकलीगर समाज को मुख्यधारा से जोड़ने शिक्षा, संवाद और रोजगार का अभिनव अभियान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण के साथ-साथ समाज के संवेदनशील वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में लगातार नवाचार आधारित पहलें की जा रही हैं। इसी क्रम में बुरहानपुर पुलिस द्वारा संचालित 'परिवर्तन' मुहिम प्रदेशभर में एक सकारात्मक एवं प्रेरणादायी मॉडल के रूप में उभर रही है। यह अभियान सिकलीगर समाज के युवाओं को अपराध की दुनिया से बाहर निकालकर शिक्षा, जागरूकता एवं रोजगार से जोड़ने का एक प्रभावी प्रयास बन चुका है।

अपराध से अवसर की ओर बढ़ते कदम: पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर श्री आशुतोष बागरी के कुशल निर्देशन में जिले में अवैध हथियारों की रोकथाम एवं जागरूकता के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा

रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अंतरसिंह कनेश के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी श्री निर्भयसिंह अलावा के सतत पर्यवेक्षण में पुलिस द्वारा एक ओर जहां अवैध हथियार निर्माण एवं तस्करी के नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है, वहीं दूसरी ओर सिकलीगर समाज के युवाओं को अपराध से दूर कर सम्मानजनक जीवन एवं रोजगार की ओर प्रेरित किया जा रहा है।

चौपाल, संवाद और विश्वास से आ रहा बदलाव: अभियान के अंतर्गत पुलिस द्वारा ग्राम, स्कूलों, गुरुद्वारों एवं थाना परिसर में लगातार चौपाल, संवाद एवं संयुक्त बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इन बैठकों के माध्यम से युवाओं एवं उनके परिजनों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, स्वरोजगार कार्यक्रमों तथा शिक्षा एवं कौशल विकास के अवसरों की जानकारी देकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों द्वारा युवाओं को यह संदेश दिया जा रहा है कि समाज में सम्मान, प्रगति और सुरक्षित भविष्य का रास्ता शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता से होकर गुजरता है, न कि अपराध से।

परिवर्तन मुहिम से युवाओं को मिला रोजगार: बुरहानपुर पुलिस की इस सकारात्मक पहल का परिणाम यह रहा कि अभियान के अंतर्गत 04 युवाओं को जिओ कंपनी में रोजगार उपलब्ध कराया गया है। इसके अतिरिक्त अन्य युवाओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता, डिप्लोमा एवं कौशल के अनुसार रोजगार उपलब्ध कराने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। यह पहल युवाओं के भीतर आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य कर रही है कि यदि सही मार्गदर्शन और अवसर मिले तो कोई भी युवा अपराध के रास्ते को छोड़कर सम्मानजनक जीवन की ओर बढ़ सकता है।

सेना भर्ती 2027 : ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (ष्टश्वश्व) की तारीख घोषित, प्रवेश पत्र भी हुआ जारी

एमसीबी/22 मई 2026/ भारतीय सेना भर्ती वर्ष 2027 के लिए ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (ष्टश्वश्व) की तारीख सेना भर्ती कार्यालय रायपुर द्वारा घोषित कर दी गई है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार विभिन्न श्रेणियों के लिए ऑनलाइन परीक्षा 01 जून 2026 से 05 जून 2026 तथा 08 जून 2026 से 12 जून 2026 तक आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा प्रदेश के 05 प्रमुख शहरों भिलाई, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर और जगदलपुर के कुल 10 परीक्षा केन्द्रों में संपन्न होगी। परीक्षा प्रतिदिन 3 से 4 शिफ्ट में आयोजित की जाएगी।

सेना भर्ती कार्यालय ने

एमसीबी बोर्ड परीक्षा परिणाम पर सीएम साय ने जताई नाराजगी, बोले- खराब प्रदर्शन पर होगी कार्रवाई; जल्द होगी 5 हजार शिक्षकों की भर्ती

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के बोर्ड परीक्षा परिणामों में प्रदेश में सबसे निचले स्थान पर आने पर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने चिरमिरी दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जिले का प्रदर्शन 'डाउन' गया है और इस मामले में निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर भी बात की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर औसतन 30 छात्र-छात्राओं पर एक शिक्षक उपलब्ध है, जबकि छत्तीसगढ़ में 21 बच्चों पर एक शिक्षक है। इस अनुपात के हिसाब से छत्तीसगढ़ की स्थिति देश में काफी बेहतर है।

खराब परिणाम आना चिंताजनक: इसके बावजूद कुछ जिलों में इस तरह के खराब परिणाम आना चिंताजनक है। मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए लगातार प्रयासरत है।

5 हजार शिक्षकों की भर्ती की जायेगी- मुख्यमंत्री साय: उन्होंने घोषणा की कि प्रदेश में जल्द ही पांच हजार शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। साथ ही, युक्तिकरण प्रक्रिया के माध्यम से सभी स्कूलों में शिक्षकों की समान व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि किसी भी स्कूल में शिक्षकों की कमी न रहे।

सीएम बोले-परीक्षा परिणामों की समीक्षा की जाएगी: मुख्यमंत्री ने संकेत दिए कि एमसीबी जिले के परीक्षा परिणामों की गहन समीक्षा की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए सरकार गंभीरता से काम कर रही है।

जवा तहसील में रिश्वत का डिजिटल खेल? बिना पैसे काम नहीं होने के आरोप से मचा हड़कंप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले की जवा तहसील एक बार फिर विवादों में घिर गई है। तहसील कार्यालय में पदस्थ सहायक ई-गवर्नेंस ऑपरेटर राहुल गुप्ता पर गंभीर आरोप लगे हैं कि बिना पैसे लिए कोई भी काम आगे नहीं बढ़ाया जाता। स्थानीय लोगों और सूत्रों का आरोप है कि ऑनलाइन रिकॉर्ड अपडेट करने से लेकर तहसीलदार और नायब तहसीलदार के आदेशों तक को कथित रूप से लेन-देन के बिना आगे नहीं बढ़ाया जाता। ग्रामीणों का कहना है कि नामांतरण, बंटवारा, खसरा सुधार, रिकॉर्ड अपलोडिंग और अन्य ऑनलाइन प्रक्रियाओं में जानबूझकर देरी की जाती है। आरोप है कि जब तक सुविधा शुल्क नहीं दिया जाता, तब तक फाइलें लंबित रखी जाती हैं। कई लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि विरोध करने वालों को खुलेआम धमकाया जाता है और कहा जाता है कि 'यहां वही होगा जो मैं चाहूंगा।'

मामले को और गंभीर तब माना जा रहा है जब कुछ शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि विरोध करने वालों के राजस्व रिकॉर्ड में गलत फीडिंग कर दी जाती है। खसरे से नाम हटाने, रिकॉर्ड में गड़बड़ी करने और तकनीकी आपत्तियां लगाकर परेशान करने जैसे आरोपों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि डिजिटल व्यवस्था का उद्देश्य पारदर्शिता और सुविधा बढ़ाना था, लेकिन यहां ऑनलाइन सिस्टम ही कथित वसूली का माध्यम बनता दिखाई दे रहा है। लोगों ने रीवा कलेक्टर से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नर्मदापुरम में पनडुब्बी से रेत खनन करते माफिया पकड़े गए,खनिज टीम पहुंची तो मजदूर नाव से भागे, बिना रॉयल्टी रेत भरा डंपर भी जब्त

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के नर्मदा नदी के पथाड़ा घाट पर गुरुवार देर शाम जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम ने कार्रवाई की। टीम ने नर्मदा नदी के गहरे में पनडुब्बी से रेत निकालते एक पनडुब्बी और मोटर बोट को जब्त किया। रेत माफिया एनजीटी के नियमों को ताख में रखकर रेत निकाल रहे थे। खनिज विभाग की टीम को देख रेत निकालने वाले मजदूर दूसरी नाव में बैठ सीहोर जिले की सीमा में भाग निकले। जिस कारण खनिज विभाग की टीम केवल पनडुब्बी और मोटर बोट ही पकड़ पाई। जिसे ट्रैक्टर में टोचन कर 20 किमी दूर शिवपुर थाना लाया गया। रेत एवं अन्य खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। ग्राम पथाडा, तहसील सिवनी मालवा क्षेत्र में अवैध रूप से रेत उत्खनन करते हुए एक पनडुब्बी एवं एक मोटरबोट को जब्त किया गया।

सोहागपुर एसडीएम ने बिना रॉयल्टी रेत से भरा डम्पर पकड़ा: सोहागपुर एसडीएम प्रियंका भल्लावी ने सोहागपुर में मढ़ई फांके के पास ढाबे पर खड़े एक रेत से भरे डंपर को पकड़ा। ड्राइवर से रॉयल्टी पूछी जो उसके पास नहीं मिली। एसडीएम भल्लावी ने डंपर क्रमांक एमपी 04 ङ्घ 7611 को सोहागपुर थाने में खड़े कराया। एसडीएम भल्लावी ने बताया बिना रॉयल्टी के रेत भरकर डंपर माखननगर की ओर से आ रहा था। जिसे पकड़कर थाने में खड़े कराया है।

रायसेन में तीन सड़क हादसों में छह लोग घायल, सियरमऊ घाटी में बाइक फिसली

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में गुरुवार को तीन अलग-अलग सड़क हादसों में कुल 6 लोग घायल हो गए। घायलों को 108 एंबुलेंस और डायल-112 की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से कुछ की हालत गंभीर होने पर उन्हें रायसेन जिला अस्पताल रेफर किया गया। ये हादसे देहरी, सिलवानी और दीवानगंज क्षेत्रों में हुए। पहला हादसा भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे-18 पर देहरी के पास गुरुवार सुबह करीब 6 बजे हुआ। यहां एक आयशर ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हाईवे पर यातायात कम होने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक तेज रफ्तार में था और चालक नियंत्रण खो बैठा था। इस हादसे में चालक को गंभीर चोट नहीं आई और वह सुरक्षित बताया जा रहा है।

बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई : दूसरा हादसा सिलवानी क्षेत्र की सियरमऊ घाटी में दीवान बाबा के पास हुआ। गुरुवार सुबह एक बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। घायलों की पहचान प्रदीप आदिवासी, संजू आदिवासी और 70 वर्षीय बृजलाल आदिवासी के रूप में हुई है। ये तीनों सियरमऊ से सिलवानी आ रहे थे। सूचना मिलने पर डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सिलवानी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। बीएमओ डॉ. आरएस पटेल ने बताया कि संजू आदिवासी और बृजलाल आदिवासी की हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रायसेन रेफर कर दिया गया। तीसरा हादसा दीवानगंज भोपाल रोड स्थित साई मंदिर के पास हुआ, जहां एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में बालमपुर निवासी जानकीदास (40), उनकी पत्नी विनीता बाई (36) और पंकज (24) घायल हो गए। ये तीनों सांची की ओर जा रहे थे। दीवानगंज 108 एंबुलेंस के डॉक्टर सुरेंद्र शाक्य और पायलट माखन लाल पंथी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों घायलों को सांची सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गर्मी की मूंग फसल खरीदेगी सरकार, आदेश जारी 25 मई से 15 जून तक पंजीयन; खरगोन में 18,500 हेक्टेयर में है फसल

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। एमपी सरकार ने ग्रीष्मकालीन मूंग की खरीदी प्रक्रिया शुरू कर दी है। विपणन वर्ष 2026 के तहत किसान 25 मई से 15 जून तक ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन करा सकेंगे। खरगोन जिले में इसके लिए 70 सहकारी और विपणन संस्थाओं को पंजीयन केंद्र बनाया गया है। उपसंचालक कृषि शिवसिंह राजपूत ने बताया कि मूंग उपार्जन को लेकर शासन स्तर से निर्देश जारी हो गए हैं। किसान इन निर्देशों का पालन करते हुए अपनी उपज बेच सकेंगे। जिले में इस वर्ष लगभग 18 हजार 500 हेक्टेयर क्षेत्र में मूंग की फसल लगाई गई है। किसान निर्धारित पंजीयन केंद्रों के अतिरिक्त ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केंद्रों पर निःशुल्क पंजीयन करा सकते हैं। इसके अलावा, एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र और निजी साइबर कैफे पर शुल्क देकर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है। मूंग की खरीदी प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर की जाएगी। उपज बेचने से पहले खरीदी केंद्र पर किसान की पहचान के लिए आधार-सक्षम पीओएस मशीन या मोबाइल ऐप के माध्यम से चेहरे का सत्यापन अनिवार्य होगा। यदि किसान स्वयं उपस्थित नहीं हो पाते हैं, तो वे पंजीयन के समय तीन अधिकृत व्यक्तियों के नाम और आधार नंबर दर्ज करा सकते हैं। इन अधिकृत व्यक्तियों का चेहरे का सत्यापन आवश्यक होगा। भुगतान सीधे किसान के बैंक खाते में किया जाएगा।

रंजिश में जानलेवा हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

घूरने की बात को लेकर हुआ विवाद, चाकू और लाठी-डंडों से की थी मारपीट

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के गोपालगंज थाना क्षेत्र के शनिचरी इलाके में पुरानी रंजिश में घूरने की बात को लेकर जानलेवा करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। मामले में फरार अन्य आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, 16 मार्च की शाम फरियादी ने थाने में आकर शिकायत की। शिकायत में बताया कि वह घर से रोजा खोलकर वसुडियाना मोहल्ला शनिचरी आया था। वहां पर वह अपने साथी इकबाल खान और मोहम्मद नासिर खान के साथ बातचीत कर रहा था।

इसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी सोनू उर्फ मोहम्मद नूर खान, रावी पठान और राजा पठान वहां आ गए। घूरने की बात को लेकर गाली-गलौज करने लगे। गालियां देने से मना करने पर आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। आरोपी सोनू उर्फ नूर खान ने फरियादी पर चाकू से हमला किया। चाकू बाएं कंधे के पीछे और बाएं हाथ की हथेली में लगा। फरियादी के साथी इकबाल खान और मोहम्मद नासिर बीचबचाव करने आए तो सह-आरोपी इरशाद खान और इसरार खान ने भी चाकू और डंडों से उन पर हमला कर दिया।

डंडों से मारपीट कर घायल किया था: आरोपी रावी पठान ने मोहम्मद नासिर के सिर और पीठ पर डंडों से हमला कर गंभीर घायल किया। राजा पठान ने डंडे से मारपीट की। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। फरियादी की शिकायत पर गोपालगंज पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया। आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीम लगाई गई। टीम ने तलाश करते हुए बुधवार को थाना क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपी रावी पठान उर्फ नूरुल हसन पिता नूर मोहम्मद उम्र 32 साल निवासी पानी की टंकी के पास शुक्रवारी वार्ड को गिरफ्तार किया। गोपालगंज थाना प्रभारी घनश्याम शर्मा ने बताया कि जानलेवा हमला करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को थाने लाकर पूछताछ की जा रही है।

कृषक कल्याण वर्ष 2026

विदिशा विकासखंड में गांव-गांव पहुंच रहा कृषि रथ, किसानों को दी आधुनिक खेती की जानकारी

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत किसानों को जागरूक, आत्मनिर्भर और आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से विदिशा विकासखंड में कृषि रथ का संचालन लगातार किया जा रहा है। 16 मई से प्रारंभ हुआ यह अभियान 25 मई तक जारी रहेगा, जिसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर किसानों को शासकीय योजनाओं, प्राकृतिक खेती और आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी दी जा रही है।

इसी क्रम में गुरुवार को ग्राम पंचायत करैयाहट, खामखेड़ा तथा बर्रो में कृषि रथ का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। कार्यक्रम में कृषि विभाग, आत्मा परियोजना, उद्यानिकी विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि उपज मंडी, पीएनबी प्रशिक्षण केंद्र एवं सोसायटी के प्रतिनिधियों ने सहभागिता कर किसानों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल के वैज्ञानिक डॉ. बंजारी, डॉ. वसंदा एवं डॉ. धीरज कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं ग्राम पंचायतों के सरपंच राजकुमार बघेल, सरपंच प्रतिनिधि अमितेश दुबे, जनपद सदस्य अमित बघेल तथा पंचगणों की उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक प्रभावी बनाया। कृषक संगोष्ठी के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा किसानों को शासकीय योजनाओं, अनुदान प्रक्रियाओं एवं आवेदन संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई। बड़ी संख्या में उपस्थित उन्नतशील किसानों ने अपने अनुभव साझा किए और आधुनिक कृषि तकनीकों पर चर्चा की। वैज्ञानिकों ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, फसल विविधीकरण तथा उर्वरकों के संतुलित एवं अनुशंसित उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही जैविक खेती, प्राकृतिक खेती और नरवाई प्रबंधन के लाभों पर प्रकाश डालते हुए किसानों को पर्यावरण संरक्षण और लागत कम करने के उपाय बताए गए।

कार्यक्रम के दौरान किसानों में प्राकृतिक खेती अपनाने और मृदा परीक्षण कराने को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। ग्रामीण किसानों ने कृषि रथ के माध्यम से दी गई जानकारी को उपयोगी बताते हुए इसे व्यवहार में अपनाने की सहमति जताई।

अभियान के अंत में सभी किसानों एवं ग्रामीणों ने नरवाई प्रबंधन अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की सामूहिक शपथ भी ली। कृषि रथ के माध्यम से चलाए जा रहे ऐसे जागरूकता कार्यक्रम किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं।

11 हजार से अधिक बच्चों को मिला मनचाहे विद्यालयों में नि :शुल्क प्रवेश

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। शिक्षा का अधिकार अधिनियम अंतर्गत द्वितीय चरण की ऑनलाइन लॉटरी की प्रकिया बुधवार को संपन्न हो गई। इसमें 11 हजार 485 बच्चों को उनकी पसंद के निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश मिला। इस लॉटरी प्रक्रिया में उन बच्चों को शामिल किया गया था, जिन्हें प्रथम चरण की लॉटरी में उनकी पसंद के स्कूल आवंटित नहीं हो सके थे। ऐसे बच्चों को निजी विद्यालयों की रिक्त सीटों के अनुरूप द्वितीय चरण की लॉटरी के लिए अपनी वरीयता अंकित करते हुए आवेदन करने का एक और अवसर प्रदान किया गया था। द्वितीय चरण की लॉटरी में बच्चों को उनकी चुनी गई वरीयता के आधार पर निजी विद्यालयों में सीट का आवंटन 20 मई को ऑनलाइन लॉटरी की स्वचालित कंप्यूटर प्रक्रिया द्वारा किया गया। संचालक राज्य शिक्षा केंद्र श्री हरजिंदर सिंह द्वारा द्वितीय चरण की ऑनलाइन लॉटरी का बटन क्लिक किया गया। नर्सरी कक्षा में 7 हजार 599, केजी 1 में 2 हजार 747 और कक्षा 1 में 1 हजार 139 बच्चों का दाखिला हुआ। इस अवसर पर संचालक राज्य शिक्षा केंद्र श्री हरजिंदर सिंह ने लॉटरी में चयनित बच्चों को उनकी पसंद का स्कूल आवंटित होने पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने पारदर्शी ऑनलाइन व्यवस्था निर्मित करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग और मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रानिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन टीम की प्रशंसा भी की। इस वर्ष आरटीई के तहत लॉटरी के लिए दस्तावेज सत्यापन के उपरांत 1 लाख 80 हजार 875 बच्चे पात्र चयनित हुए थे, जिनमें से 1 लाख 6 हजार से अधिक बच्चों को शाला आवंटन प्राप्त हुआ था। इसके उपरांत 97 हजार 052 बच्चों के द्वारा चयनित स्कूलों में प्रवेश लिया जा चुका है। आज आयोजित हुई द्वितीय चरण की लॉटरी में 11 हजार 485 और बच्चों को उनकी पसंद के निजी विद्यालयों में प्रवेश आवंटन प्राप्त हुआ है। इस प्रकार इस वर्ष सत्र 2026-27 में आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश आवंटन प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 1 लाख 17 हजार 400 से अधिक हो गई है।

रतलाम में पिकअप ने दूध वाहन चालक को टक्कर मारी, युवक की मौत

खेत में दूर जा गिरी दूध की कैने, गुस्साएं परिजनों ने किया चक्काजाम

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम कनेरी रोड पर एक पिकअप वाहन चालक ने बाइक सवार दूध वाहन चालक को टक्कर मार दी। टक्कर में 19 साल के वाहन चालक युवक की मौत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि युवक फेंका गया और बाइक पर रखी दूध की कैने पास में खेत में करीब 60 से 70 फीट दूर जा गिरी। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन छोड़ कर भाग गया। हादसे के बाद लोगों ने दुर्घटनास्थल पर चक्काजाम कर दिया।

हादसा गुरुवार सुबह करीब 6.30 बजे हुआ। डीडी नगर थाना अतंर्गत गांव कनेरी निवासी मोतीलाल पिता शंकरलाल गुर्जर प्रतिदिन की तरह दूध लेकर गांव से निकला था। साथ में युवक के काका मांगीलाल गुर्जर भी दूध वाहन (बाइक) से साथ में अलग चल रहे थे। कनेरी रोड से आते हुए एक कॉलोनी के सामने पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 43 जेडी 2065 ने सामने से टक्कर मार दी। जिससे युवक मोतीलाल की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद राहगीर रुके : युवक के काका मांगीलाल ने बताया कि गांव से साथ में निकले थे। रास्ते में पिकअप ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद एंबुलेंस 108 व डायल 112 पर कॉल किया।

सूचना के बाद भी करीब एक घंटे तक कोई नहीं आया। तब गांव में फोन कर कार मंगाई। कार से मेडिकल कॉलेज परिजन लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया।

ग्रामीणों ने किया चक्काजाम: हादसे के बाद समय पर एंबुलेंस व डायल 112 नहीं आने पर ग्रामीणों ने कनेरी रोड पर चक्काजाम कर दिया। बीच रोड पर बैठ गए। करीब 9 बजे थाना प्रभारी अनुराग यादव व पुलिस मौके पर पहुंची।

परिजनों ने समय पर एंबुलेंस व डायल 112 के नहीं आने का आरोप लगाया है। परिजन व ग्रामीण मौके पर कलेक्टर व एसपी को बुलाने की मांग पर अड़े रहे। थाना प्रभारी ने सभी का समझाया कि पिकअप वाहन चालक पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। तब सभी माने। पुलिस पिकअप को जप्त कर ले गई। सुबह करीब 9.30 बजे चक्काजाम खत्म किया।

धरती आबा एवं पीएमजनमन अभियान के अंतर्गत ग्रामों में शिविर आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने और शासकीय योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने के लिए धरती आबा-जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जिले में 18 मई से 25 मई तक जनजातीय समुदाय के लिये लाभार्थी संतृप्ति शिविर, जन भागीदारी सबसे दूर, सबसे पहले का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 21 मई को जिले के ग्राम सालीखेड़ा, भीलखेड़ा खुर्द और आंवलीखेड़ा सहित चिन्हित ग्रामों में शिविर लगाए गए और पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

इन योजनाओं एवं सेवाओं का दिया जा रहा लाभ: अभियान के अंतर्गत जिले के चयनित 80 ग्रामों में शिविर आयोजित कर जनजातीय क्षेत्रों के पात्र हितग्राहियों को शिविरों में विभिन्न विभागों के समन्वय से आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, जनधन खाता, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, आयुष्मान कार्ड, पीएम सुरक्षित मातृत्व अभियान, पीएम राष्ट्रीय डायलिसिस प्रोग्राम, सिकल सेल मिशन, क्षय रोग उन्मूलन जाँच, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, राशन कार्ड, पीएम उज्ज्वला योजना, पीएम विश्वकर्मा, सुकन्या समृद्धि योजना और वन अधिकार पट्टा सहित अनेक योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

अपशिष्ट प्रबंधन नियम के जमीनी स्तर पर लागू करने हेतु विशेष सेल गठित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 में वर्णित प्रावधानों को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा 'विशेष सेल' का गठन किया गया है। कलेक्टर श्री बालगुरू के. इस सेल के अध्यक्ष है और जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी को सदस्य सचिव बनाया गया है। इसके साथ ही जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव सहित अन्य अधिकारियों को सदस्य बनाया गया है। यह विशेष सेल ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रावधानों के अनुरूप कार्य करेगी। सभी डंपिंग स्थलों का वर्चुअल निरीक्षण करेगी। अवैध डंप साइटों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी।

खनिज विभाग की जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित

अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध संयुक्त कार्रवाई जारी रखने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सक्सेना ने भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अवैध खनिज गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राजस्व, पुलिस, वन, परिवहन एवं खनिज विभाग संयुक्त रूप से निरंतर कार्रवाई करें। संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण, रात्रिकालीन गश्त एवं चेकिंग अभियान संचालित किए जाएं तथा अवैध परिवहन में संलिप्त वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 में 01 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक की कार्रवाई की जानकारी दी गई। इस अवधि में अवैध परिवहन के 450, अवैध उत्खनन के 89 तथा अवैध भंडारण के 12 प्रकरण दर्ज किए गए। इन प्रकरणों में कुल 2 करोड़ 14 लाख 58 हजार 48 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया तथा लगभग 2 करोड़ 14 लाख 36 हजार 796 रुपये की वसूली की गई। कार्रवाई के दौरान 329 ट्रैक्टर-ट्रॉली, 66 डंपर, 12 पोकलेन, 38 जेसीबी, 13 लोडर एवं 19 नावों सहित अन्य मशीनरी जब्त की गई। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2026-27 में 01 अप्रैल 2026 से 20 मई 2026 तक अवैध परिवहन के 25 तथा अवैध उत्खनन के 5 प्रकरण दर्ज किए गए। इन मामलों में कुल 12 लाख 67 हजार 186 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित एवं वसूल किया गया। कार्रवाई के दौरान 21 ट्रैक्टर-ट्रॉली, 4 डंपर, 3 जेसीबी एवं 2 लोडर जब्त किए गए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि जब्त वाहनों एवं लंबित प्रकरणों में नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा अर्थदंड की वसूली में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि खदान क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य रूप से कराया जाए तथा बिना अनुमति खनिज परिवहन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि अवैध खनिज गतिविधियों की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई की जाए तथा संबंधित क्षेत्रों की सतत निगरानी रखी जाए। बैठक में जिला वन मंडल अधिकारी सुश्री अर्चना पटेल, जिला खनिज अधिकारी श्री धर्मेंद्र चौहान सहित राजस्व, पुलिस, वन एवं परिवहन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

नेमार फिर चोटिल हुए, विश्वकप में खेलने पर संशय छाया

यो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार एक बार फिर चोटिल हो गये हैं। ऐसे में अगले माह होने वाले फीफा विश्वकप में उनके खेलने को लेकर एक बार फिर संशय छा गया है। नेमार लंबे समय के बाद हाल ही में मैदान पर लौटे थे जिसके बाद उन्हें विश्वकप के लिए टीम में भी शामिल किया गया था पर अब उनके चोटिल होने से प्रशंसकों में निराशा का भाव है। इसका कारण है कि अब विश्वकप में एक माह से भी कम समय है। 34 साल के नेमार सैंटोस आजकर अपने क्लब की ओर से खेलकर फिटनेस हासिल करने में लगे थे पर सैन लोरेंजो के खिलाफ अपनी टीम के घरेलू कोपा सुदामेरिकाना मैच में वह नहीं उतरे। इसका कारण उनकी पिंडली में लगी चोट को बताया गया है हालांकि क्लब का कहना है कि उनकी चोट गंभीर नहीं है और चिंता की जरुरत नहीं है।

सैंटोस टीम के डॉक्टर रोड्रिगो ज़ोगैब ने उम्मीद जतायी है कि नेमार 27 मई को ब्राजील के विश्व कप से पहले होने वाले पहले ट्रेनिंग सेशन के लिए फिट हो जायेंगे। जोगैब ने कहा, नेमार नेशनल टीम में पूरी तरह फिट या लगभग फिट होकर शामिल होंगे। इस

बात की भी संभावना है कि वह अगले मंगलवार को डेपोटिवो कुएन्का के खिलाफ खेल सकते हैं।

गौरतब है कि नेमार ब्राजील के लिए अब तक सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। नेमार ने 128 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 79 गोल दागे हैं। नेमार ने अंतिम बार अक्टूबर 2023 में ब्राजील के लिए खेला था। उस समय उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालिफायर मैच के दौरान उनके घुटने में गंभीर चोट लग गयी थी। इसके बाद से ही वह फिटनेस को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। पिछले साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब सैंटोस में लौटने के बाद से, उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में 38 मैचों में केवल 17 गोल किए हैं।

ब्राजील के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को कहा कि नेमार को 26 खिलाड़ियों की टीम में शामिल करने का फैसला उनकी हाल की फॉर्म के आधार पर नहीं किया गया है। साथ ही कहा, उनके लिए यह हमेशा से एक शारीरिक समस्या रही है। उन्होंने पिछले कुछ मैच लगातार खेले हैं। वह विश्व कप के पहले मैच से पहले अपनी शारीरिक फिटनेस में सुधार कर सकते हैं। वर्ल्ड कप 11 जून से 19 जुलाई तक संयुक्त राज्य अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा। इसमें ब्राज़ील अपने अभियान की शुरुआत 13 जून को न्यू जर्सी में मोरक्को के खिलाफ करेगा।

अंडर-18 एशिया कप के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम का ऐलान, केतन कुशवाहा बने कप्तान

भोपाल, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को जापान के काकामिगाहारा में 29 मई से 6 जून तक होने वाले आगामी पुरुष अंडर-18 एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। केतन कुशवाहा को इस टूर्नामेंट के लिए टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। इस टीम का चयन भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) भोपाल के उद्धव दास मेहता सेंट्रल सेंटर में सरदार सिंह और रजनीश मिश्रा की कोचिंग स्टाफ की देखरेख में एक कड़े नेशनल कोचिंग कैंप के बाद किया गया। टूर्नामेंट के फॉर्मेट में भारत को पूल ए में दक्षिण कोरिया, मेजबान जापान, चीनी ताइपे और कजाकिस्तान के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने पूल-स्टेज कैंपेन की शुरुआत 29 मई को कजाकिस्तान के खिलाफ करेगी। इसके बाद टीम अपने अगले मुकाबले में 31 मई को मेजबान जापान से भिड़ेगी। वहीं, 1 जून को भारतीय टीम का सामना साउथ कोरिया से होगा, तो 3 जून को भारतीय टीम की भिड़ंत ग्रुप स्टेज के आखिरी मुकाबले में चीनी ताइपे से होगी।

इस मुश्किल ग्रुप स्टेज के बाद, पूल ए और पूल बी की टॉप दो टीमें सीधे 5 जून को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। वहीं, टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला 6 जून को खेला जाना है। टीम की तैयारियों में भोपाल में ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 टीम के खिलाफ एक हाई-प्रोफाइल चार मुकाबलों की सीरीज शामिल थी, जो एक एक्सपोजर टूर का हिस्सा थी। फॉरवर्ड खिलाड़ी केतन कुशवाहा एशिया कप टीम की कप्तानी करेंगे, जो एशिया की टॉप यूथ टीमों के खिलाफ मुकाबला करने के लिए उड़ान भरेगी।

टूर्नामेंट की तैयारी करते हुए भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 के खिलाफ एक मैच जीता और एक मुकाबले में हार का सामना किया। वहीं, दो मैच ड्रॉ रहे। टूर्नामेंट के लिए फाइनल स्क्वॉड पर कमेंट करते हुए कोच सरदार सिंह ने कहा, सिलेक्शन प्रोसेस बहुत प्रतिस्पर्धी था, लेकिन हमने 18 खिलाड़ियों का स्क्वॉड चुना है जो हमें एकदम सही तकनीकी संतुलन देता है। भोपाल में हमारी ट्रेनिंग और ऑस्ट्रेलिया जैसी टॉप टीम के खिलाफ एक्सपोजर मुकाबलों ने इन खिलाडियों को इंटरनेशनल प्रेशर और मैच टेम्पो की अच्छी समझ दी। उन्होंने आगे कहा, हमने पिछले कुछ हफ्ते अपने तकनीकी अनुशासन, पेनल्टी कॉर्नर रूटीन और संरचना पर बहुत मेहनत की है। खिलाड़ी बहुत जोश में हैं; और एशिया कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में जाने से पहले हमारा मकसद साफ है कि हम अपने प्लान को अच्छे से लागू करना चाहते हैं, अपने ग्रुप में टॉप पर रहना चाहते हैं और ट्रॉफी घर लाने के लिए खुद को सबसे अच्छी स्थिति में रखना चाहते हैं।

रोनाल्डो ने अल नासर को बनाया चैंपियन, दमैक को हराकर जीता सऊदी प्रो लीग का खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गुरुवार को अल नासर को सऊदी प्रो लीग 2025-26 का खिताब जिताया। पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी ने दो गोल करते हुए क्लब को दमैक के खिलाफ 4-1 से जीत दिलाई। जनवरी 2023 में अल नासर से जुड़ने के बाद रोनाल्डो का यह पहला बड़ा खिताब है। यह क्लब का 11वां लीग खिताब है, जबकि रोनाल्डो के शामिल होने के बाद अल नासर ने पहला खिताब जीता है। अल नासर ने सीजन के आखिरी मैच में अपने प्रतिद्वंद्वी अल हिलाल पर दो अंकों की बढ़त के साथ खिताब अपने नाम किया। पिछले हफ्ते ब्राजील के गोलकीपर बेंटो की स्टॉपेज टाइम में हुई गलती के कारण अल नासर घरेलू चैंपियनशिप का खिताब जीतने से चूक गया था और टीम को अल हिलाल के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलना पड़ा था। वहीं, अल नासर को एएफसी चैंपियंस लीग टू के फाइनल में गाम्बा ओसाका के खिलाफ अपने घर में हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, जॉर्ज जीसस की टीम ने आखिरकार किंग सऊद यूनिवर्सिटी स्टेडियम में संघर्ष कर रही दमैक के खिलाफ शानदार खेल दिखाया। लिवरपूल के पूर्व विंगर सादियो माने ने भी अल नासर के लिए गोल दागा, जबकि एटलेटिको मैड्रिड और चेल्सी के पूर्व फॉरवर्ड जोआओ फेलिक्स गुरुवार को रोनाल्डो के साथ खेले।

आईपीएल 2026 - हार्दिक पांड्या पर लगा मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। हार्दिक के खाते में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ा गया है। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस (एमआई) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच हुए मुकाबले में हार्दिक को आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल एक का दोषी पाया गया है। दरअसल, मैच की दूसरी पारी के 10वें ओवर की चौथी गेंद फेंकने के बाद अपने रन-अप पर लौटते हुए हार्दिक ने जानबूझकर स्टंप्स की बेल्स को गिरा दिया था। हार्दिक ने आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन किया है, जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़ों, मैदान के उपकरण या फिक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग से जुड़ा हुआ है। हार्दिक ने अपनी गलती को मानते हुए जुर्माना स्वीकार कर लिया। हार्दिक का प्रदर्शन इस मुकाबले में कुछ खास नहीं रहा। उन्होंने गेंदबाजी में सिर्फ 2 ओवर डाले, जबकि बल्लेबाजी में 27 गेंदों का सामना करने के बाद वह सिर्फ 26 रन ही बना सके। अपनी इस पारी में उन्होंने दो चौके और एक छक्का लगाया।

मुंबई इंडियंस को केकेआर के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करने उतरी एमआई का बल्लेबाजी क्रम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सका। रोहित शर्मा 15 रन ही बना सके, तो रयान रिकेल्टन 6 रन बनाकर कैमरून ग्रीन का शिकार बने। नमन धीर अपना खाता तक नहीं खोल सके।

वहीं, सूर्यकुमार यादव की खराब फॉर्म इस मुकाबले में भी जारी रही और वह 15 रन बनाकर सौरभ दुबे की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। तिलक वर्मा 32 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 20 रन ही बना सके। अंत के ओवरों में कॉर्बिन बॉश ने 18 गेंदों में नाबाद 32 रन बनाए, जिसके बूते टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 147 रनों के टोटल तक पहुंचने में सफल रही।

हालांकि, एमआई के गेंदबाज 148 रनों के लक्ष्य का बचाव नहीं कर सके और केकेआर ने 6 विकेट खोकर 18.5 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया। मनीष पांडे ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में 45 रनों की दमदार पारी खेली, तो रोवमैन पॉवेल ने 30 गेंदों में 40 रन बनाए। एमआई प्लेऑफ की रेस से पहले ही बाहर हो चुकी है।

आईपीएल 2026: सुदर्शन ने वैभव से छीनी ऑरेंज कैप, भुवनेश्वर की बादशाहत पर मंडराया खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के 66वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस (जीटी) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 89 रनों से हराया। जीटी की इस जीत में साई सुदर्शन ने एक बार फिर बल्ले से अहम योगदान दिया और 53 गेंदों में 84 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के साथ ही सुदर्शन ने वैभव सूर्यवंशी से ऑरेंज कैप वापस ले ली है। साई सुदर्शन के 14 मुकाबलों के बाद अब 638 रन हो गए हैं। वह इस सीजन कमाल की लय में दिखाई दिए हैं। ऑरेंज कैप की रेस में सुदर्शन को कड़ी टक्कर अपने जोड़ीदार और जीटी के कप्तान शुभमन गिल से मिल रही है। गिल 13 मुकाबलों में 616 रन बनाकर लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। वहीं, राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 579 रनों के साथ तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के बल्लेबाज मिचेल मार्श 13 मुकाबलों में 563 रन बनाकर चौथे नंबर पर हैं। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 555 रनों के साथ अब पांचवें नंबर पर आ गए हैं। विराट कोहली 542 रन बनाकर छठे नंबर पर मौजूद हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के पास पर्पल कैप बरकरार है। हालांकि, उनकी बादशाहत पर अब खतरा मंडरा रहा है।

सीएसके की टूर्नामेंट से शर्मनाक विदाई, जीटी के खिलाफ मिली आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी हार

अहमदाबाद, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल 2026 का अंत भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। गुरुवार को नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में सीएसके को गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 89 रनों से हार का सामना करना पड़ा, जो इस लीग में टीम की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार रही। इससे पहले, सीएसके को साल 2013 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 60 रनों से हार का सामना करना पड़ा था, जो इस लीग में टीम की अब तक की सबसे बड़ी हार थी। गुजरात टाइटंस से मिले 230 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की पूरी टीम 140 रन बनाकर ढेर हो गई। संजू सैमसन अपना खाता तक खोलने में नाकाम रहे। वहीं, कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ का बल्ला इस मुकाबले में भी खामोश रहा और वह 7 गेंदों में सिर्फ 16 रन बनाकर आउट हुए। उर्विल पटेल भी जीरो पर आउट हुए, तो मैथ्यू शॉर्ट 14 गेंदों में 24 रन बनाने के बाद कगिसो रबाडा का शिकार बने। कार्तिक शर्मा ने 15 गेंदों में 19 रनों का योगदान दिया। वहीं,

डेवाल्ड ब्रेविस 8 रन ही बना पाए। शिवम दुबे ने अंत के ओवरों में 17 गेंदों में 47 रनों की आतिशी पारी खेली, लेकिन उन्हें बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका। दुबे ने अपनी इस पारी में 4 चौके और चार छक्के लगाए।

बल्लेबाजों के साथ-साथ सीएसके के गेंदबाजों का प्रदर्शन भी इस मुकाबले में निराशाजनक रहा। स्पेंसर जॉनसन ने अपने 4 ओवर में सिर्फ एक विकेट लेकर 47 रन दिए। वहीं, अंशुल कंबोज एक बार फिर महंगे साबित हुए और 4 ओवर में 56 रन देकर एक विकेट ही निकाल सके। नूर अहमद को गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजों ने खासतौर पर निशाने पर लिया, और उन्होंने 3 ओवर के स्पेल में 41 रन खर्च किए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान पूरे देश का सम्मान है: हरभजन सिंह

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार ऑफ स्पिनर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह बिलियनेयर्स फॉर पीस कॉन्क्लेव कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए मुंबई में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का आयोजन में समाज में शांति की स्थापना करने वालों को सम्मानित करने के लिए किया गया था। इसमें हरभजन सिंह का भी नाम था। हरभजन ने कार्यक्रम के आयोजकों की प्रशंसा की। इसके साथ ही प्रधानमंत्री को इटली में मिले एग्रीकोला पदक को उन्होंने देश का सम्मान बताया। मीडिया से बात करते हुए हरभजन सिंह ने कहा, समाज की बेहतरी के लिए काम करने वालों को सम्मानित करना बेहतरीन काम है। समाज में शांति के लिए काम करने वाले और भी लोग चाहिए। यहां आकर और सम्मानित होकर अच्छा लग रहा है। मैं इन लोगों के साथ रहूंगा और अपने स्तर से जो भी बेहतर हो सकेगा, करूंगा। दुनिया में बढ़ महंगाई पर हरभजन ने कहा, मौजूदा समय में विश्व तेल और सोने की बढ़ती कीमतों की वजह से परेशान है। इस परेशानी की वजह दुनिया में शांति का न होना है। अगर ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध नहीं होता, तो ये समस्याएं नहीं होतीं। उम्मीद करते हैं कि जल्द से जल्द इस समस्या का शांतिपूर्ण समाधान निकलेगा और महंगाई की समस्या से दुनिया को निजात मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इटली दौरे के दौरान एग्रीकोला पदक से सम्मानित किया गया है। हरभजन सिंह ने कहा कि पीएम का सम्मान देश का सम्मान है।

वनडे विश्व कप 2025 में चैंपियन बनना एक बड़े सफर की शुरुआत थी, हम जीत को आदत बनाना चाहते हैं: हरमनप्रीत कौर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि वनडे विश्व कप 2025 जीतने के बाद टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब टीम जीत को अपनी आदत बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि वनडे विश्व कप 2025 में चैंपियन बनना भारतीय महिला क्रिकेट टीम की एक बड़ी यात्रा की शुरुआत है। कौर ने अपने आईसीसी कॉलम में लिखा, उस विश्व कप को जीतना भारत में महिला क्रिकेट के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण पल था। यह सिर्फ एक ट्रॉफी से कहीं बढ़कर था। सबसे जरूरी बात यह है कि इसने हमारे अंदर आत्मविश्वास जगाया और युवा लड़कियों को यह दिखाया कि खेल के सबसे ऊंचे मुकाम तक पहुंचना नामुमकिन नहीं है। उन्होंने आगे कहा, महिला विश्व कप 2025 की जीत ने हमारे आत्मविश्वास को जबरदस्त बढ़ावा दिया है। हालांकि, यह तो बस शुरुआत है। हम जीत को अपनी आदत बनाना चाहते हैं। 2025 विश्व कप की जीत ने हमें जहां बेहिसाब खुशी दी, वहीं इसने हमें एक बड़ी जिम्मेदारी भी सौंपी है। हम जानते हैं कि अब लोगों की उम्मीदें बढ़ेंगी। इससे हम पर दबाव भी आएगा, लेकिन यह एक अच्छा दबाव है। यह हमें याद दिलाता है कि हमने कुछ बहुत ही खास हासिल किया है। अब हमें उस सफलता को एक बार फिर दोहराना है।

कौर ने कहा, हम उस जीत से मिले आत्मविश्वास और भरोसे को टी20 विश्व कप में भी अपने साथ आगे ले जाना चाहेंगे। हम अच्छी तरह जानते हैं कि हमें किस स्तर का प्रदर्शन बनाए रखना है। श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में खेली गई टी20 सीरीज ने हमें खुद को परखने और बहुत कुछ सीखने का बेहतरीन मौका दिया है। टी20 में सफलता के लिए गलतियों की गुंजाइश बहुत कम होती है। कुछ गेंदों में मैच का रुख बदल सकता है।

महिला टी20 विश्व कप 2026 को लेकर कौर ने लिखा, हर आईसीसी ट्रॉफी की अपनी चुनौती होती है। यह फॉर्मेट छोटा होता है। जीत-हार का अंतर बहुत कम होता है। दबाव बहुत ज्यादा होता है। हमें शुरू से ही चौकन्ना रहना होगा, और मैच के अहम पलों में जीत हासिल करनी होगी। इस टूर्नामेंट को जीतना हमारे लिए बहुत बड़ी बात होगी।

भारतीय कप्तान ने कहा, अगर हम यह टूर्नामेंट जीतते हैं, तो यह भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक मजबूत और लगातार सफलता वाले दौर की शुरुआत का संकेत होगा।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। हरमन ने कहा कि इस टीम के बारे में जो बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है, वह है टीम का संतुलन। इसमें प्रतिभा है, निडरता है। अनुभव और युवा जोश का एक बेहतरीन मेल है। इसका बहुत सारा श्रेय महिला प्रीमियर लीग को जाता है। लीग की वजह से असली प्रतिभा सामने आई है और खिलाड़ियों को दबाव वाली स्थितियों, ऊंचे मानकों और दुनिया के कुछ बेहतरीन क्रिकेटरों के साथ खेलने का नियमित अनुभव दिया है। खिलाड़ियों में अब ज्यादा परिपक्वता आ गई है। लीग ने उनमें जीतने वाली मानसिकता बनाने में मदद की है।

टी20 विश्व कप का आयोजन इंग्लैंड में होने वाला है। इंग्लैंड हरमनप्रीत कौर के करियर में बेहद अहम स्थान रखता है। उन्होंने कहा, इंग्लैंड में हुए 2017 विश्व कप की मेरी यादें अब भी ताजा हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेरी 171 रनों की पारी ने मेरी जिंदगी में बहुत कुछ बदल दिया। इस टूर्नामेंट में टीम का प्रदर्शन भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक अहम मोड़ साबित हुआ था।

भारतीय टीम फाइनल नहीं जीत सकी थी, लेकिन घर वापसी पर टीम का विजेता की तरह स्वागत हुआ था। उस समय को याद करते हुए कौर ने लिखा, भले ही हम फाइनल में नहीं जीत पाए, लेकिन घर लौटने पर प्रशंसकों और मीडिया से हमें जो प्यार और सम्मान मिला, वह अपने आप में बहुत खास था। उस अभियान ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा और उन्हें महिला क्रिकेट को गंभीरता से लेने पर मजबूर कर दिया। उसके बाद से महिला क्रिकेट ने काफी तरक्की की है।

कौर ने लिखा, उस विश्व कप के लगभग एक दशक बाद पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे इस बात पर गर्व महसूस होता है कि हमने कितनी लंबी दूरी तय की है। भारतीय महिला क्रिकेट एक और अहम पड़ाव की ओर बढ़ रहा है। एक ऐसा पड़ाव जो न सिर्फ प्रगति पर आधारित है, बल्कि निरंतरता और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन पर भी टिका हुआ है। भविष्य में हम अपने खेल के स्तर को और ऊंचा उठाना चाहते हैं और लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत को अपनी आदत बनाना चाहते हैं।

वनडे विश्व कप 2025 का खिताब जीतने के बाद भारतीय महिला टीम टी20 विश्व कप 2026 में एक प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। 12 जून से इंग्लैंड में शुरू हो रहे विश्व कप में टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नीदरलैंड, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। भारतीय टीम अपना पहला मैच 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी।

प्रॉपर्टी डीलर के घर 23 लाख की चोरी, लोडेड बंदूक से गोलियां निकाल ले गए बदमाश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर के बगहा बायपास स्थित सैनिक कॉलोनी में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात एक प्रॉपर्टी डीलर के घर से 23 लाख रुपए से अधिक की चोरी हुई। चोरों ने घर में घुसकर सोने-चांदी के जेवर, 12 लाख रुपए नकद और बंदूक के कारतूस चुरा लिए। घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट और डॉग स्क्वॉड के साथ मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

ढाई बजे नींद खुली तो चोरी का पता चला: पीड़ित प्रॉपर्टी डीलर दिनेश सिंह सिद्धू ने बताया कि चोरी उनकी पत्नी के कमरे में हुई। गुरुवार रात कमरे का कूलर खराब होने के कारण उनकी पत्नी दूसरे कमरे में सो गई थीं। रात करीब साढ़े 11 बजे उनका बेटा घर लौटा, जिसके बाद परिवार के सभी सदस्य अपने-अपने कमरों में सो गए। रात करीब ढाई बजे पत्नी की नींद खुली। जब वह अपने कमरे में पहुंचीं, तो वहां का नजारा देखकर चौंक गईं। कमरे की अलमारी खुली थी, सामान फर्श पर बिखरा पड़ा था और लॉकर टूटा हुआ था। उनके शोर मचाने पर परिवार के अन्य सदस्य भी जाग गए।

आशंका- पीछे के दरवाजे से दाखिल हुए थे बदमाश: पीड़ित परिवार के अनुसार, चोर घर से लगभग 26 तोला सोने के जेवर, डेढ़ किलोग्राम चांदी और करीब 12 लाख रुपए नकद लेकर फरार हुए हैं। चोरी गए सामान की कुल कीमत 23 लाख रुपए से अधिक आंकी गई है। मकान के पीछे दो दरवाजे बने हुए हैं और आशंका है कि बदमाश उन्हीं रास्तों से घर में दाखिल हुए थे। जांच के दौरान, पुलिस डॉग कमरे से होते हुए मकान के पीछे और फिर बायपास की दिशा में गया। इससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि चोर उसी रास्ते से भागे होंगे।

लोडेड बंदूक से निकाली गोलियां, 25 कारतूस भी ले गए: वारदात के दौरान बदमाशों के हाथ घर में रखी डबल बैरल बंदूक भी लगी। जानकारी के मुताबिक बंदूक लोडेड थी। चोरों ने बंदूक को अनलॉक कर उसमें भरी गोलियां निकाल लीं और वहां रखे करीब 25 कारतूस भी अपने साथ ले गए। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि परिवार की सुरक्षा के मद्देनजर बंदूक हमेशा लोड रखी जाती थी। हालांकि बदमाश बंदूक अपने साथ नहीं ले गए, लेकिन कारतूस और गोलियां गायब मिलीं।

लॉकर तोड़ा, परिवार को भनक तक नहीं लगी: पुलिस के मुताबिक, वारदात के समय पूरा परिवार गहरी नींद में था। चोरों ने बेहद शातिर तरीके से लॉकर तोड़ा और कमरे को खंगाल डाला, लेकिन किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। खास बात यह रही कि बदमाशों ने केवल उसी कमरे को निशाना बनाया, जहां नकदी और जेवर रखे थे। मकान में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे होने के कारण पुलिस को जांच में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

फिलहाल पुलिस आसपास लगे कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही संदिग्धों और पुराने अपराधियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने पीड़ित परिवार से चोरी गए सामान की विस्तृत सूची भी मांगी है। टीआई योगेन्द्र सिंह ने बताया कि सारे पहलुओं की जांच की जा रही है। साथ ही चोरी गए सामान और घर पर इतना अधिक कैश रखे होने की भी पड़ताल की जा रही है।

समय से पहले जनगणना कार्य पूरा करने वाले चार्ज अधिकारियों का सम्मान

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले में जनगणना कार्य के प्रथम चरण में समय से पहले शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करने वाले चार्ज अधिकारियों को कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी बिदिशा मुखर्जी द्वारा शुक्रवार को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। जनगणना कार्य के अंतर्गत मैहर जिले के सभी चार्ज अधिकारियों ने निर्धारित समय-सीमा से पूर्व ही शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कर एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

इस उपलब्धि पर कलेक्टर ने सभी अधिकारियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह प्रशासनिक दक्षता और टीमवर्क का परिणाम है। इनमें मैहर जिले के नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र के सभी 6 चार्जों में 1271 एचएलबी में शत-प्रतिशत मकान सूचीकरण और मकान गणना का कार्य 20 मई को पूरा कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि नगर परिषद अमरपाटन ने जिले में सबसे पहले जनगणना का कार्य पूर्ण कर अग्रणी भूमिका निभाई। कलेक्टर मुखर्जी ने कहा कि इसी प्रकार समर्पण और जिम्मेदारी के साथ आगामी चरणों के कार्य भी समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए जाएं, जिससे जिले का प्रदर्शन राज्य स्तर पर उत्कृष्ट बना रहे।

निजी क्लीनिक में इलाज के दौरान बच्ची की हालत बिगड़ी

परिजनों ने कंपाउंडर पर आहार नली काटने का आरोप लगाया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। एक निजी क्लीनिक में गलत इलाज के कारण छह वर्षीय बच्ची धानी सिसोदिया की जान खतरे में पड़ गई है। बच्ची के परिजनों ने क्लीनिक संचालक डॉक्टर हेमंत पांडेय पर लापरवाही और गलत इलाज का गंभीर आरोप लगाया है। यह घटना शहर के हॉस्पिटल चौक स्थित एक निजी क्लीनिक से संबंधित है। परिजनों के अनुसार, बच्ची का टीबी का इलाज चल रहा था। आरोप है कि उपचार के दौरान डॉक्टर या उनके स्टाफ की कथित लापरवाही से उसकी गर्दन की नस या आहार नली कट गई। इस घटना के बाद बच्ची की हालत नाजुक बनी हुई है।

आरोप- इलाज के दौरान आहार नली कटी: धानी सिसोदिया के गले में कुछ समय पहले गिल्टी हो गई थी। परिजनों ने उसे टीबी एवं चेस्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमंत पांडेय को दिखाया। 15 दिन तक दवा से इलाज के बाद भी आराम न मिलने पर टीबी की जांच कराई गई और छह महीने तक टीबी का इलाज चला। इसके बावजूद गिल्टी ठीक नहीं हुई, बल्कि उस जगह से पस निकलने लगा। परिजनों का आरोप है कि डॉ. हेमंत पांडेय की क्लिनिक में कंपाउंडर द्वारा बच्ची का पस साफ करते समय कैंची लग गई, जिससे उसकी आहार नली कट गई। अब बच्ची जो कुछ भी खाती-पीती है, वह बाहर बह जाता है।

इस कथित लापरवाही से आक्रोशित परिजनों ने गुरुवार शाम डॉक्टर की क्लीनिक पर जाकर शिकायत की। डॉक्टर हेमंत पांडेय ने उन्हें दूसरे डॉक्टर से इलाज कराने का आश्वासन देकर भेज दिया। इसके बाद शुक्रवार दोपहर परिजनों ने सिटी कोतवाली पहुंचकर डॉक्टर के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराकर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

डॉ बोले- आरोप निराधार हैं: इस पूरे मामले में डॉ हेमंत पाण्डेय ने बताया कि बच्ची के इलाज में कही कोई लापरवाही नहीं की गई है। टीबी के इलाज के बाद भी गिल्टी ठीक नहीं हुई है। इसी लिए उन्होंने सर्जन डॉ व्यंकटेश अग्रवाल से बात कर ऑपरेशन के जरिए गांठ निकालने की बात की है। उधर, बच्ची के परिजनों के अनुसार एमआरआई रिपोर्ट देखने के बाद डॉ व्यंकटेश अग्रवाल ने ऑपरेशन करने से मना कर दिया है।

शहर के 5 प्रमुख चौराहों का होगा सौंदर्यीकरण, 10 आंगनवाड़ी बनेंगी आधुनिक चाइल्ड-फ्रेंडली प्री-स्कूल

कलेक्टर मैहर ने ली सीएसआर की बैठक

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जिले में समग्र विकास, शहरी सौंदर्यीकरण और बाल हितों को केंद्र में रखते हुए कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने शुक्रवार को जिला खनिज प्रतिष्ठान एवं कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी मद से संबंधित समीक्षा बैठक ली। इस मौके पर कलेक्टर ने सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों को उन्हें सीएसआर मद के तहत आवंटित की गई आंगनवाडी केन्द्र और चौराहों की साज-सज्जा एवं विकास का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिये। इस मौके पर एसडीएम मैहर दिव्या पटेल, जनपद पंचायत के सीईओ, नगर पालिका सीएमओ सुषमा मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों के सीएसआर प्रबंधक उपस्थित रहे।

कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने बताया कि शहर के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने के साथ-साथ उसकी सौंदर्यता बढ़ाने की आवश्यकता है। इसी क्रम में औद्योगिक प्रतिष्ठानों के सीएसआर फंड के सहयोग से मैहर शहर के 5 प्रमुख चौराहों का व्यवस्थित विकास एवं सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसी प्रकार बाल विकास एवं प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण पहल करते हुए नगरपालिका मैहर अंतर्गत संचालित 60 आंगनवाड़ी केंद्रों में से प्रथम चरण में 10 केंद्रों को चाइल्ड-फ्रेंडली आकर्षण बढाकर उनहें प्री-स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। इन केंद्रों में बच्चों के अनुकूल वातावरण, रंगीन कक्ष, खेल आधारित शिक्षण सामग्री, सुरक्षित परिसर एवं आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसका उद्देश्य बच्चों में प्रारंभिक शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाना और उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है। जिले के प्रत्येक सीमेंट औद्योगिक प्रतिष्ठान को सीएसआर मद से 2-2 आंगनवाडी केन्द्र और 1-1 चौराहे को विकसित करने का जिम्मा दिया गया।

डाक विभाग में डायरेक्ट एजेंट की भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय डाक विभाग के अंतर्गत संचालित इंडिया पोस्ट की प्रतिष्ठित बीमा योजनाओं पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (पीएलआई) एवं रूरल पोस्टल लाइफइंश्योरेंस (आरपीएलआई) के व्यवसाय विस्तार के लिए डाक संभाग सतना में प्रत्यक्ष अभिकर्ता (डायरेक्ट एजेंट) की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अधीक्षक डाकघर डाक संभाग सतना ने बताया कि चयन हेतु साक्षात्कार 29 मई 2026 को प्रातः 11 बजे से कार्यालय अधीक्षक डाकघर डाक संभाग सतना में आयोजित किया जाएगा। अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है तथा न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। साथ ही बीमा या मार्केटिंग का अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों को वरीयता मिलेगी।

गंगा दशहरा पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिलेभर में होंगे आयोजन

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार 25 मई 2026 को गंगा दशहरा के अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के अंतर्गत जिलेभर में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह अभियान 19 मार्च से 30 जून 2026 तक संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना है। प्रत्येक जिले में गंगा दशहरा पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम दो चरणों में आयोजित होंगे। पहले चरण में जन सहयोग से जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्य जैसे कुओं, तालाबों, नहरों और बावड़ियों की साफ-सफाई व जीर्णोद्धार, घाटों की सफाई तथा अनुपयोगी बोरवेल/ट्यूबवेल पर रिचार्ज पिट निर्माण जैसे कार्य किए जाएंगे। इसके बाद शाम को दूसरे चरण में गंगा दशहरा पर आधारित सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा। जिले में कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और महिला स्व सहायता समूहों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। प्रत्येक ग्राम पंचायत और नगरीय वार्ड में छोटे-छोटे कार्यक्रमों के साथ जनजागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। कार्यक्रमों के आयोजन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत और नगरीय क्षेत्र में जहां नगर निगम हैं। वहां आयुक्त नगर निगम और जहां नगर निगम नहीं है वहां परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास प्राधिकरण नोडल अधिकारी होंगे।

गंगा दशहरा पर 25 मई को मैहर के आल्हा ताल में होंगे विविध कार्यक्रम: मैहर जिले में कलेक्टर मैहर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 25 मई गंगा दशहरा के अवसर पर प्रसिद्ध आल्हा ताल में सांध्यकालीन गंगा आरती शास्त्रीय संगीत कथक की प्रस्तुति, दीपदान सहित विभिन्न कार्यक्रम जल संरक्षण की थीम पर आयोजित होंगे।

64 लाख की लागत से बने सामुदायिक भवन का लोकार्पण, वार्डवासियों को किया समर्पित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पतेरी, वार्ड क्रमांक 29 में आज महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने 64 लाख की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण कर इसे क्षेत्रवासियों को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह भवन केवल एक निर्माण नहीं, बल्कि वार्डवासियों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा।

महापौर ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जनसेवा सर्वोच्च दायित्व है और इसी भावना के साथ शहर में सतत विकास कार्यों को गति दी जा रही है।

लोकार्पण कार्यक्रम में नगर निगम स्पीकर राजेश चतुर्वेदी (पालन), प्रदेश महामंत्री भाजपा महिला मोर्चा स्वप्ना वर्मा, निर्माण विभाग के अध्यक्ष गोपी गेलानी, वार्ड पार्षद एवं स्वच्छ सदस्य रानी बालकृष्ण शुक्ला, बालकृष्ण शुक्ला, पद्मधर शुक्ला, उमेश पाण्डेय, रामबहोर तिवारी, नंदकिशोर मिश्रा, घनश्याम सोनी, डी.के. तिवारी सहित नगर निगम के अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

स्थानीय नागरिकों ने सामुदायिक भवन के निर्माण को क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। यह भवन भविष्य में विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के लिए उपयोगी साबित होगा।

उप मुख्यमंत्री ने स्व. दादा असीम बनर्जी को दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने वरिष्ठ समाजसेवी उत्तम बनर्जी के पिता स्वर्गीय असीम बनर्जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शुक्रवार को उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल सतना स्थित सरस्वती आवासीय विद्यापीठ पहुंचे, जहां उन्होंने स्व. दादा असीम बनर्जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा उन्हें इस दुख की घड़ी में धैर्य रखने का संबल दिया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. असीम बनर्जी का जीवन सामाजिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण रहा। उनके निधन से समाज ने एक सज्जन एवं प्रेरणास्रोत व्यक्तित्व को खो दिया है। श्रद्धांजलि सभा में महापौर योगेश ताम्रकार, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, अखण्ड प्रताप सिंह, बालेन्द्र गौतम, श्रीकृष्ण महेश्वरी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

हाईटेक गौशाला में 1300 गौवंशों के लिए खास इंतजाम

चित्रकूट में भीषण गर्मी से बचाने शॉवर, पंखे और ठंडे शेड लगाए; 30 साल से जारी गौसेवा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भीषण गर्मी के बीच सतना जिले के चित्रकूट की एक गौशाला अपनी अनूठी व्यवस्था को लेकर चर्चा में है। सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट द्वारा संचालित इस हाईटेक गौशाला में लगभग 1300 गौवंशों को गर्मी से बचाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। यहां गौवंशों की देखभाल परिवार के सदस्य की तरह की जा रही है। गौशाला में गौवंशों को भीषण गर्मी से राहत देने के लिए आधुनिक शॉवर सिस्टम लगाया गया है। इस व्यवस्था के तहत गायों को समय-समय पर ठंडे पानी से नहलाया जाता है, जिससे उन्हें तेज धूप और उमस से काफी राहत मिलती है। इंसानों की तरह ठंडे पानी के शॉवर से स्नान करने के कारण गौवंश आराम महसूस करते हैं।

शॉवर सिस्टम के अलावा, गौशाला में साफ-सफाई, पीने के स्वच्छ पानी और ठंडी हवा के लिए पंखों की भी विशेष व्यवस्था है। गौवंशों के रहने के स्थानों पर बड़े टीन शेड बनाए गए हैं, ताकि सीधी धूप का असर उन पर न पड़े। उन्हें पंखों के नीचे रखा जाता है, जिससे वे लू और गर्म हवाओं से सुरक्षित रह सकें। सदगुरु सेवा ट्रस्ट गौशाला की अध्यक्ष ऊषा जैन ने बताया कि सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट पिछले 30 वर्षों से लगातार गौसेवा का कार्य कर रहा है। वर्तमान में यहां लगभग 1300 गौवंशों की देखभाल की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि ट्रस्ट के डायरेक्टर स्वर्गीय पद्मश्री डॉ. वीके जैन ने अपने जीवनकाल में गौसेवा को हमेशा प्राथमिकता दी थी। उन्हीं की प्रेरणा से ट्रस्ट गौवंशों के लिए नई सुविधाएं विकसित कर रहा है।

हनुमान जैसी विनम्रता की समाज को आवश्यकता: वाजपेयी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। श्री संतधाम आश्रम में महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी के सानिध्य में आयोजित भक्ति अमृत महोत्सव के अवसर पर दिल्ली से पधारे पंडित अशोक वाजपेयी जी ने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि आज समाज को हनुमान जी जैसी विनम्रता, शिष्टाचार और गुरु भक्ति की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब हनुमान जी विप्र रूप में श्रीराम से मिले, तब क्षत्रिय वेश में उपस्थित प्रभु श्रीराम को प्रणाम कर उन्होंने विनम्रता का श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया।

पंडित वाजपेयी जी ने अपने प्रवचन में श्रीहनुमान चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सती और सुग्रीव दोनों के सामने भगवान राम थे, किंतु उन्हें ईश्वर रूप में पहचानने में भ्रम हुआ। सती के साथ भगवान शिव और सुग्रीव के साथ हनुमान जैसे गुरु थे, लेकिन सती ने गुरु वचन पर विश्वास नहीं किया, जबकि सुग्रीव ने हनुमान जी की बात मान ली। परिणामस्वरूप सती का भ्रम विनाश का कारण बना, जबकि सुग्रीव को प्रभु श्रीराम का सानिध्य प्राप्त हुआ।

उन्होंने कहा कि ईश्वर प्राप्ति के लिए गुरु के प्रति अटूट विश्वास आवश्यक है। विद्या ददाति विनय का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञान के साथ विनम्रता सबसे बड़ा सद्गुण है। आश्रम के ओमप्रकाश उदासीन एवं विनोद गेलानी ने बताया कि महोत्सव में प्रतिदिन शिव रुद्राभिषेक, सामूहिक यज्ञ-हवन तथा अन्नक्षेत्र में भोजन प्रसादी का वितरण किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।